जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 75 दिनांकः 26-02-2022 शनिवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

यूक्रेन के खारकीव, मारूपोल, ओडेसा जैसे शहरों में कई इमारतें नष्ट हो चुकी हैं, सड़कें टूट चुकी हैं। लोग दहशत के माहौल में रह रहे हैं। लोगों ने कीव में सबवे, खंदकों और मेट्रो स्टेशनों में शरण ली है।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों के पहले जत्थे की स्वदेश वापसी में बड़ी कामयाबी मिली है। नागरिकों का पहला जत्था सीमा पार कर रोमानिया पहुंच गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि यूक्रेन से भारतीय नागरिकों का पहला जत्था सीमा पार कर रोमानिया के सुशिवा पहुंचा है।

जंग का दूसरा दिन- मेयर ने कहाः कीव में हो रहे धमाके, पुतिन ने की सुरक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता

कीव । जंग के दूसरे दिन शुक्रवार को रूस के सैनिक राजधानी कीव के काफी करीब पहुंच चुके हैं लेकिन दर्जनों जानें गंवाने के बावजूद यूक्रेन झुकने को तैयार नहीं है। इस बीच आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। यूक्रेनी सैनिक पूरे साहस और हिम्मत के साथ रूसी दुश्मनों का सामना कर रहे हैं। मास्को से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की सेना को तख्तापलट करने को कह दिया है। वहीं अमेरिका समेत दुनिया के अधिकांश देशों ने पुतिन व लावरोव के साथ रूस पर कड़े प्रतिबंध का ऐलान कर ही दिया।

राजधानी कीव के मेयर के अनुसार, कीव स्थित पावर स्टेशन के पास 3-5 मिनट के भीतर ही पांच धमाकों की आवाज सुनाई दी। यूक्रेन मसले पर पोप फ्रांसिस ने रूसी व अंग्रेजी भाषा में ट्वीट कर कहा, 'राजनीति और मानवता की विफलता जंग है।' वहीं संयुक्त राष्ट्र की ओर से यूक्रेन की सहायता के लिए आह्वान किया है।

जेन्स स्टोल्टनबर्ग ने कहा, 'मास्को का मकसद यूक्रेन की सरकार बदलना है। मैं यूक्रेन की सशस्त्र सेना को सम्मान देना चाहूंगा जो रूस की सेना का सामना हिम्मत से करते हुए वाकई में अपने साहस और हिम्मत का परिचय दे रहे हैं।' ऋ्ड द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यह हालात पर करीब से नजर रख रहा है और यूरोपीय यूनियन समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करेगा। 'ऋ्ड ने कहा, 'हमने पूर्वी हिस्से में बचाव के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्री कुलेबा ने एक बयान में कहा है कि, 'इटली रूस को तत्परता से प्रतिबंधित करने का समर्थन करेगा।'

बता दें कि रूस के हमले के सामने यूक्रेन अकेला पड़ गया है। कोई नहीं जानता कि रूस की ताकत के सामने यूक्रेन कितनी देर टिकेगा। इस संकट के बीच सबकी निगाह यूक्रेन के अनुभवहीन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर टिकी है। नाटो और अमेरिका के रुख को देखने के बाद संभव है कि वह रूस की उस मांग को लेकर खुद ही कोई फैसला लें, जिसमें यूक्रेन को नाटो सदस्य नहीं बनाने की बात है।

पश्चिमी देशों की ओर से दी गई चेतावनी के बावजूद रूस ने गुरुवार शाम को यूक्रेन पर उत्तर, पूर्व और दक्षिण से हमला कर दिया जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में पहला बड़ा हमला है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेन्सकी ने ट्वीट कर देश के हालात को बयां किया। उन्होंने लिखा कि चेरनीनहिव व मेलिटोपोल के पूर्वी शहरों के प्रवेश पर भारी संघर्ष हुआ लोग मारे गए हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन की संपत्तियां जब्त करने पर ईयू में सहमति, रूसी विदेश मंत्री लावरोव पर भी लगेगा प्रतिबंध

ब्रसेल्स । रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोपीय यूनियन (ईयू) अब सीधे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। उनकी यूरोप के 27 देशों में मौजूद संपत्ति जब्त करने जा रहा है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को ब्रसेल्स में हुई बैठक में काफी हद तक सहमति बन गई है। इस बाबत जल्द घोषणा हो सकती है। लक्जमबर्ग के विदेश मंत्री जीन एसीबोर्न ने बताया कि ईयू के सभी 27 देशों के विदेश मंत्री रूस पर नए प्रतिबंधों पर विचार करने के लिए एकत्रित हुए थे, तभी पुतिन पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। पुतिन के साथ ही रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव पर प्रतिबंध लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने पर भी विचार हुआ।

यूक्रेन पर हमले के लिए, पुतिन और लावरोव को जिम्मेदार मानते हुए प्रतिबंध लगाने पर जल्द समझौता हो सकता है। लेकिन इस प्रतिबंध में दोनों की यात्रा पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। क्योंकि किसी भी तरह की शांति वार्ता के लिए दोनों नेताओं की जरूरत पड़ सकती है। इसके अतिरिक्त रूस पर कई और प्रतिबंध लग सकते हैं। नए प्रतिबंधों से रूस का विदेश व्यापार बहुत मुश्किल हो जाएगा। इससे पहले पूर्वी यूक्रेन के दो प्रांतों-डोनेस्क और लुहांस्क को स्वतंत्र देश का दर्जा देने पर भी ईयू ने रूस पर प्रतिबंध लगाया है। क्रीमिया पर कब्जे के बाद से भी रूस यूरोपीय देशों के कई प्रतिबंध झेल रहा है। रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोपीय यूनियन (ईयू) अब सीधे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। उनकी यूरोप के 27 देशों में मौजूद संपत्ति जब्त करने जा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ईयू से रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है जिससे वह अपने हमले रोकने के लिए बाध्य हो जाए। ईयू ने जेलेंस्की को आश्वस्त किया है कि वह जल्द ही इस आशय की घोषणा करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी गुरुवार रात जेलेंस्की से फोन पर बात कर उन्हें रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए आश्वस्त किया है। व्हाइट हाउस के उच्चाधिकारी दलीप सिंह ने कहा है कि अमेरिका सहयोगी देशों के साथ मिलकर रूस पर प्रतिबंधों का मसौदा तैयार कर रहा है। इस मसौदे के अनुसार प्रतिबंधों की जल्द घोषणा की जाएगी। इसके बाद रूस वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाशिये में आ जाएगा। उसे किसी भी देश के साथ व्यापार करना मुश्किल हो जाएगा। तकनीक का लेन-देन करना असंभव हो जाएगा। नए प्रतिबंधों से रूस का निर्यात गंभीर रूप से प्रभावित होगा।

रूस के खिलाफ समर्थन के लिए अमेरिका ने भारत पर बनाया दबाव,

नई दिल्ली। अपने दो रणनीतिक साझेदार देशों के बीच सामंजस्य बिठाने में भारत लगा तो हुआ है लेकिन उस पर दबाव बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस को लेकर भारत के अभी तक के नरम रवैये को देखते हुए अमेरिका की तरफ से ज्यादा दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस बारे में टेलीफोन पर बात की है जबकि राष्ट्रपति जो बाइडन ने सार्वजनिक तौर पर यह बयान दिया है कि रूस को लेकर भारत के साथ मुद्दा अभी सुलझा नहीं है। अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन पर रूस के हमले के विरोध में पेश प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार दोपहर बाद तीन बजे (भारतीय समय के अनुसार देर रात डेढ़ बजे) पर होने वाले मतदान में भारत उसका साथ दे। यह प्रस्ताव अमेरिका और अल्बानिया ने पेश किया है। हालांकि, अमेरिका प्रशासन यह मानकर चल रहा है कि रूस इस पर वीटो लगाएगा, जिससे प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। यूएनएससी में रूस वीटो अधिकार वाले पांच देशों में से एक है, बाकी के चार देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन हैं।

दूसरी तरफ रूस ने भी यह उम्मीद जताई है कि यूएनएससी में भारत का उसका बचाव करेगा। भारत में रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने मीडिया के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया है। अभी तक यूएनएससी में भारत का रवैया परोक्ष तौर पर रूस के समर्थन वाला ही रहा है। प्रस्ताव का मुद्दा थोड़ा अलग है। विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला का कहना है कि गुरुवार देर रात को भारत को यूएनएससी के प्रस्ताव का प्रारूप दिखाया गया है और भारत ने इसमें कुछ बदलाव की बात कही है। अब भारत का रूख प्रस्ताव के अंतिम प्रारूप को देख कर तय होगा। इस बार भारत का रुख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यूएनएससी का अस्थाई सदस्य है और उसके वोट का महत्व है।

गुरुवार को देर रात ब्लिंकन और जयशंकर के बीच हुई वार्ता में यूएनएससी का प्रस्ताव एक अहम मुद्दा रहा है। वार्ता के बाद ब्लिंकन ने ट्वीट किया, 'भारतीय विदेश मंत्री के साथ यूक्रेन के संकट और रूस के आक्रमण के खिलाफ सामूहिक तौर पर कदम उठाने के महत्व पर बात हुई है। यूक्रेन पर रूस का हमला कानून सम्मत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का उल्लंघन है।' कहने की जरूरत नहीं चीन के आक्रामक रवैये के खिलाफ भारत जिस कानून सम्मत व्यवस्था की बात करता रहा है अमेरिका उसे उसकी याद दिलाने की कोशिश कर रहा है।

बाद में प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इस मसले पर भारत के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने यूएनएससी के प्रस्ताव के संदर्भ में यह बात कही। दरअसल, अमेरिका इस बात से संशकित है क्योंकि भारत पिछले एक पखवाड़े में दो बार संयुक्त राष्ट्र में रूस को परोक्ष तौर पर मदद पहुंचा चुका है। भारत ने अभी तक रूस के रवैये की आलोचना नहीं की है। इस संकट काल में राष्ट्रपति पुतिन ने वैश्विक नेताओं में सबसे पहले पीएम मोदी से ही बात की है।

यूएनएससी के प्रस्ताव का जो प्रारूप भारत को गुरुवार को सौंपा गया है उसके मसौदे में रूस के हमले की कड़ी निंदा की गई है और मिंस्क समझौते को लागू करने की बात है। इसमें रूस से तत्काल अपने आक्रमण को रोकने और यूक्रेन से बिना किसी शर्त के अपनी सेना वापस बुलाने की बात कही गई है। साथ ही रूस के रवैये को अंतरराष्ट्रीय संधियों को तोड़ने और अंतरराष्ट्रीय अमन-शांति को भंग करने वाला करार दिया गया है। इसमें रूस ने पूर्वी यूक्रेन के जिन दो क्षेत्रों को स्वायत्तता दी है उसे भी रद करने की बात कही गई है। यूक्रेन को तत्काल मानवीय आधार पर मदद पहुंचाने का रास्ता भी यह प्रस्ताव साफ कर सकता है। रूस की तरफ से यूक्रेन में मानवाधिकार के उल्लंघन की भी इसमें कड़े शब्दों में आलोचना की गई है। इसमें यूक्रेन की संप्रभुता व भौगोलिक अखंडता का आदर करने और उसे बहाल करने की भी बात होने की संभावना है।

भारत के लिए संकट की घड़ी, किसके पक्ष में जाए रुस के या अमेरिका के

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया है। अमेरिका और नाटो देशों के सदस्यों द्वारा रूस पर तमाम दबाव बनाने के बावजूद भी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में सैन्य अभियान की घोषणा कर दी। हालांकि भारत के लिए वर्तमान की स्थिति किसी धर्म संकट से कम नहीं है। दरअसल, भारत का रूस, अमेरिका और यूक्रेन से अच्छे संबंध है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तब यही है कि आखिर यूएनएससी में रूस की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर भारत का स्टैंड क्या रहेगा? क्या भारत अमेरिका के पक्ष में जाएगा या फिर वह रूस के पक्ष में रहेगा। हालांकि भारत लगातार दोनों पक्षों से शांति की अपील कर बातचीत के जरिए समाधान निकालने पर जोर दिया है।

बताया जा रहा है कि यूएनएससी द्वारा रूस की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर शुक्रवार को मतदान हो सकता हैं। इस प्रस्ताव में रूसी बलों के तत्काल वापसी की भी मांग की जाएगी। सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में रूस भी शामिल है। बताया जा रहा है कि रूस प्रस्ताव का वीटो करेगा और अपने खिलाफ किसी भी प्रस्ताव को पास नहीं होने देगा। सुरक्षा परिषद के 15 अस्थायी सदस्य भी हैं, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत को लेकर संशय की स्थिति लगातार बरकरार है। अमेरिका की कोशिश लगातार रूस को अलग-थलग करने पर है। अमेरिका पूरी कोशिश कर रहा है कि सुरक्षा परिषद में कम से कम 13 वोट रूस के खिलाफ पड़े। खबर यह भी है कि चीन वोटिंग में शामिल नहीं होगा।

फिलहाल अमेरिका और यूरोप के कुछ देश रूस यूक्रेन विवाद पर भारत के तटस्थ रुख से नाराज हैं। इस कारण है कि भारत पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। भारत ना रूस को नाराज करना चाहता है और ना ही अमेरिका को नाराज करना चाहेगा। भारत ने अब तक यूक्रेन में रूस के हमले के ना तो निंदा की है और ना ही रूस के पक्ष में खड़ा है। कई देशों ने रूस के हमले को यूक्रेन की संप्रभुता से जोड़ा है लेकिन भारत फिलहाल खमोश है। भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की और बातचीत के जरिए मामले को शांत करने पर जोर दिया। हालांकि आज भारत किस करवट जाएगा इसको लेकर फिलहाल कुछ कहना जल्दबाजी होगी?

आनंद सुब्रमण्यम है नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण का योगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण का रहस्यमयी 'हिमालय योगी' आनंद सुब्रमण्यम है। एनएसई का यह पूर्व अधिकारी चित्रा के फैसलों को कथित तौर पर प्रभावित करता था। सुब्रमण्यम को स्टॉक मार्केट धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई के सूत्रों ने कहा कि आनंद ही वह योगी था जिसने ई-मेल के जरिये चित्रा रामकृष्ण के साथ संवाद किया। बाजार नियामक सेबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि उसकी विवादित नियुक्ति उन फैसलों में से एक थी जो चित्रा रामकृष्ण ने तथाकथित योगी के प्रभाव में आकर की थी। सूत्रों ने बताया कि एक ईमेल आईडी से आनंद सुब्रमण्यम के ही योगी होने का खुलासा हुआ था। सूत्रों ने कहा कि इन मेल्स के स्क्रीनशॉट सुब्रमण्यम के मेल आईडी से मिले हैं। बता दें कि सीबीआई ने सुब्रमण्यम से पिछले हफ्ते चार दिन पूछताछ की थी। इसके बाद उसे बीती रात करीब 11 बजे चेन्नई से गिरफ्तार किया गया था। सुब्रमण्यम को पहले वर्ष 2013 में एनएसई में मुख्य रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था और बाद में उसे चित्रा रामकृष्ण ने 2015 में ऑपरेटिंग ऑफिसर के तौर पर प्रमोट कर दिया था। 2016 में अनियमितता के आरोपों के बाद उसने एनएसई छोड़ दिया था।चित्रा कथित तौर पर 'योगी' को गोपनीय जानकारी शेयर करने को लेकर जांच के दायरे में हैं जो अब उनका ही सहयोगी निकला है।

चित्रा रामकृष्ण वर्ष 2013 से 2016 तक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर थीं, बाद में उन्होंने निजी कारणों से पद छोड़ दिया था। चित्रा उस वक्त सुर्खियों में रही थीं, जब बाजार नियामक सेबी ने हाल में एक आदेश जारी किया था, जिसके मुताबिक एनएसई की पूर्व एमडी (चित्रा रामकृष्ण ने) ने एक योगी के प्रभाव में आकर आनंद सुब्रमण्यम को एक्सचेंज में समूह परिचालन अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक का सलाहकार नियुक्त किया।आयकर विभाग ने गुरुवार को चित्रा रामकृष्ण और समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम के खिलाफ कर चोरी के मामले की जांच के तहत मुंबई और चेन्नई स्थित उनके परिसरों पर छापे मारे थे। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई का मकसद दोनों लोगों के खिलाफ कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच करना तथा साक्ष्य जुटाना था।

पांचवें चरण के लिए थम गया चुनाव प्रचार, 12 जिलों की 61 सीटों पर 27 फरवरी को पड़ेंगे वोट

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पांचवें चरण के मतदान के लिए शुक्रवार की शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम गया। अंतिम दिन भाजपा, सपा, कांग्रेस व बसपा के दिग्गज नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। 27 फरवरी को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। इसमें 2.25 करोड़ मतदाता 692 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें 1.20 करोड़ पुरुष और करीब 1.05 लाख महिलाएं शामिल हैं। थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या भी 1752 है। पांचवें चरण में भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या से लेकर प्रयागराज और चित्रकूट जैसे धार्मिक नगरी में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सियासी संग्राम होने जा रहा है।

पांचवें चरण में पांच मंडलों (अयोध्या, लखनऊ, चित्रकूट धाम, प्रयागराज व देवीपाटन) के 12 जिलों अमेठी, रायबरेली, सुलतानपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, श्रावस्ती व गोंडा में मतदान होना है। इन 61 सीटों में वर्ष 2017 के चुनाव में भाजपा 47, सपा पांच, बसपा तीन, अपना दल तीन, कांग्रेस एक व निर्दलीय दो सीटों पर जीते थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पांचवें चरण के चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गईं हैं। इस चरण में शामिल जिलों के अफसरों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए जा चुके हैं।

छह मंत्रियों सहित कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर : पांचवें चरण में प्रदेश सरकार के छह मंत्रियों सहित कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कौशांबी के सिराथू से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की बहन व अपना दल कमेरावादी की पल्लवी पटेल सपा के चुनाव चिह्न से कर रही हैं। अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल अपना दल कमेरावादी से प्रतापगढ़ सदर से चुनाव लड़ रही हैं। ग्राम विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह प्रतापगढ़ की पट्टी से चुनाव मैदान में हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह इलाहाबाद पश्चिम से उम्मीदवार है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी इलाहाबाद दक्षिण से, समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री गोंडा की मनकापुर और लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय चित्रकूट सदर से चुनाव लड़ रहे हैं। कुंडा से रघुराज प्रताप सिंह एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं। प्रतापगढ़ की रामपुर खास से कांग्रेस की मौजूदा विधायक आराधना मिश्रा मोना चुनाव लड़ रही हैं। पूर्व मंत्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय अयोध्या से मैदान में हैं। अमेठी से पूर्व सांसद संजय सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' ने की योगी सरकार की तारीफ,

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पांचवें चरण के लिए 27 फरवरी को वोटिंग होनी है। इस चरण में कुंडा हाइप्रोफाइल सीट पर भी वोटिंग होनी है। इस सीट से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया चुनाव मैदान में हैं। राजा भैया इस सीट से वर्ष 1993 से लगातार विधायक हैं। वह इन दिनों अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार को पिछली सरकारों की तुलना में बेहतर बताया है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुंडा को कुंडी लगाने संबंधी बयान पर जवाब दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने कहा कि वर्तमान की योगी सरकार पिछली सरकारों की तुलना में सड़क निर्माण, बिजली कनेक्शन, कैनाल निर्माण इत्यादि के मामले बेहतर साबित हुई है। पिछली सरकारों की तुलना में योगी सरकार सड़क और बिजली के मामले में राज्य में बेहतर है।

कुंडा में कुंडी लगाने लगाने वाला कोई माई का लाल नहीं : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुंडा को कुंडी लगाने संबंधी बयान पर चुप्पी तोड़ते हुए रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ के बिहार में हुई जनसभा में कहा कि कुंडा को कुंडी लगाने वाला धरती पर कोई माई का लाल नहीं पैदा हुआ है। यही नहीं, सात पीढ़ी कुंडी नहीं लगा पाएगी। उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों को गलतफहमी है कि उनकी सरकार बनने जा रही है, वे मुगालते में न रहें। न तो उनकी सरकार बनने जा रही है और न ही वे बनने देंगे। रघुराज की प्रतिक्रिया का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो गया।

दिल्ली-एनसीआर में पड़े ओले, देश के अन्य हिस्सों में भी बिगड़ा मौसम,

नई दिल्ली, जेएनएनः पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार शाम दिल्ली में मौसम का मिजाज बदल गया। कई इलाकों में तेज हवा के साथ बादल गरजे और हल्की बारिश हुई। हालांकि, इससे ठंडक में कोई खास इजाफा नहीं हुआ। शनिवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। शुक्रवार को दिनभर मौसम साफ रहा और धूप भी खिली। अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस (इस सीजन का सर्वाधिक), जबकि न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा में नमी का स्तर 44 से 95 फीसदी दर्ज हुआ। बारिश शाम साढ़े पांच से रात साढ़े आठ बजे तक सफदरजंग में 1.6 मिमी और पालम में 3.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बरवाला, हांसी, महम, जींद, चरखी दादरी, मट्टनहेल, झज्जर, फारुखनगर, कोसली, महेंद्रगढ़, सोहाना, रेवाड़ी, बावल, नूंह (हरियाणा), भिवाड़ी (राजस्थान) में हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ बारिश होने की संभावना है। साथ ही यह भी बताया गया है कि अगले कुछ घंटों में दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, मानेसर गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा में हल्की तीव्रता की बारिश होने की संभावना है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक महेंद्रगढ़, कोसली (हरियाणा) के आसपास वाले इलाकों में ओलावृष्टि होने की भी आशंका है। इससे पहले दिन में, मौसम विभाग ने बताया था कि अगले दो दिनों के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत और अगले तीन दिनों के दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ बारिश जारी रहेगी। वहीं, अगले दो दिनों के दौरान उत्तराखंड में और अगले 24 घंटों के दौरान पंजाब, उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल- सिक्किम और मेघालय में भी ओलावृष्टि की आशंका है।

मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि 27 फरवरी के आसपास दक्षिण अंडमान सागर और पड़ोस में एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 27 और 28 फरवरी को बिजली और गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। आईएमडी ने बताया है कि 27 और 28 फरवरी को दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और 1 मार्च को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में तेज हवाओं की आशंका जताई गई है।

डूरंड रेखा विवादः तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच छिड़ी लड़ाई, तीन नागरिकों की हुई मौत, 20 घायल

इस्लामाबाद। कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में डूरंड रेखा पर तालिबानी और पाकिस्तानी सेना के बीच लड़ाई शुरू हो गई है। लड़ाई के दौरान गोलीबारी और हाथापाई के चलते 20 लोग घायल हो गए हैं जबकि 3 की मौत हो गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार कल दोपहर से ही डूरंड लाइन पर तालिबान और पाक बलों के बीच कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में लड़ाई चल रही है। अब तक 20 नागरिक घायल और तीन मारे गए हैं। डूरंड लाइन के पास नागरिक अपने घरों से भाग गए हैं।

डक गेट पर एक अफगान बच्चे को पीटने और उसके बाद अफगान सुरक्षा बलों के पाकिस्तानी सीमा प्रहरियों पर गोलियां चलाने पर यह लड़ाई शुरू हुई है। घटना गुरुवार दोपहर की है, जिसके बाद गेट को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। घटना के बाद, अल-बद्र कोर से सेना के बल घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं और पाकिस्तानी सीमा प्रहरियों को जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार कल दोपहर से डूरंड लाइन पर तालिबान और पाक बलों के बीच कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में लड़ाई हो रही है। अब तक 20 नागरिक घायल और तीन मारे गए हैं। डूरंड लाइन के पास नागरिक अपने घरों से भाग गए हैं।

बता दें कि डूरंड रेखा के मुद्दे पर तालिबान और पाकिस्तान के बीच मतभेद अभी भी जारी है। गौरतलब है कि इस संदर्भ में जलालाबाद (नंगरहार प्रांत) में पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास ने पिछले दिनों में खोस्त-उत्तर वजीरिस्तान क्षेत्र में गुलाम खान सीमा पार की स्थिति को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को बताया था। उन्होंने बताया था कि तालिबान ने पाकिस्तान को वहा से हटा दिया था। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एक सीमा चौकी से पाकिस्तानी झंडा और जीरो लाइन पर हुमवे और सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया गया था। जवाब में, पाकिस्तान ने तालिबान को संभावित जवाबी कार्रवाई की चेतावनी जारी की और व्यापार कुछ दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। लेकिन बाद में दोनों पक्षों के व्यापारियों और आदिवासी बुजुर्गों के हस्तक्षेप से इस मुद्दे को सुलझा लिया गया था।

तालिबान ने पाकिस्तानी सेना द्वारा डूरंड लाइन पर की गई बाड़बंदी के कुछ हिस्सों को भी कुछ दिनों पहले क्षतिग्रस्त कर दिया था। बता दें कि इससे पहले भी तालिबान ने पाकिस्तानी सेना को डूरंड लाइन (दोनों देशों की सीमा रेखा) के करीब नांगरहार प्रांत में बाड़बंदी व सैन्य चौकियों के निर्माण से रोका था।

कर्नाटक में 27 से 10 मार्च तक जापान के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत और जापान कर्नाटक के बेलगाम में 27 फरवरी से 10 मार्च तक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म संरक्षक 2022' आयोजित करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जापानी सैनिक शुक्रवार को बेलगाम पहुंच गए।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए जा रहे सैन्य प्रशिक्षणों की श्रृंखला में जापान के साथ होने वाला यह अभ्यास महत्वपूर्ण है। वर्तमान वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में दोनों देश जिस सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं उसे देखते हुए भी महत्वपूर्ण है।' भारत, जापान, अमेरिका और आस्ट्रेलिया क्वाड समूह में शामिल हैं। हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गो को चीन के किसी भी घातक प्रभाव से मुक्त रखने के लिए यह समूह गठित किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए जा रहे सैन्य प्रशिक्षणों की श्रृंखला में जापान के साथ होने वाला यह अभ्यास महत्वपूर्ण है। वर्तमान वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में दोनों देश जिस सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं उसे देखते हुए भी महत्वपूर्ण है।

धर्म संरक्षक अभ्यास का उद्देश्य प्लाटून स्तर संयुक्त प्रशिक्षण है। इसमें जंगल और अर्ध शहरी एवं शहरी इलाकों में अभियान शामिल रहेगा। इस वर्ष के अभ्यास में भारतीय सेना की मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट और जापानी ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की 30वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट हिस्सा ले रही है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति का छलका दर्द, बोले- दुनिया ने हमें जंग में लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया

-चेर्नोबिल संयंत्र पर रूस का कब्जा, 96 घंटे में कीव को भी हथिया लेगा

कीव (ईएमएस)। रूस के हमले को झेल रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का आखिर दर्द छलक गया अमेरिका के सेना न देने से आहत होकर उन्होंने कहा कि दुनिया ने हमें जंग में लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया है। दरअसल, पूर्वी यूरोप में यूक्रेन इन दिनों जंग की आग में जल रहा है। रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर तीनों तरफ से हमला कर दिया। राजधानी कीव सुबह 7 बड़े धमाकों से दहल गई। लोग रातभर से घरों, सबवे, अंडरग्राउंड शेल्टर में छिपे हुए हैं। खाने-पीने से लेकर रोजाना की जरूरत की चीजों की कमी हो रही है। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना राजधानी कीव में दाखिल हो गई है। उन्होंने आशंका जताई है कि अगले 96 घंटे यानी 4 दिन में कीव पर रूस का कब्जा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रूसी सेनाएं रिहाइशी इलाकों को टारगेट कर रही हैं। उन्होंने रूसी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जंग के खिलाफ प्रदर्शन करें।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया ने हमें जंग में लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि वे कीव में हैं और वहां रूसी सेना दाखिल हो गई है। उनके दो टारगेट हैं, पहला- कीव और दूसरा मेरा परिवार। इस बीच सरकार ने पूरी सेना को युद्ध में उतारने का ऐलान किया। इसके लिए यूक्रेन सरकार ने 18 से 60 साल के यूक्रेनी पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक लगा दी है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यूक्रेन ने अपने 10 हजार नागरिकों को मुकाबले के लिए राइफलें दी हैं।

रूसी युद्धपोत पर मौजूद जवानों ने सरेंडर से मना करने पर यूक्रेन के 13 जवानों को मार गिराया। दरअसल एक यूक्रेन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें रूसी युद्धपोत की तरफ से कहा जा रहा है कि 'मेरा सुझाव है कि आप अपने हथियार डाल दें और आत्मसमर्पण कर दें, वरना आप पर हमला होगा। इसके बाद यूक्रेनी पोस्ट की तरफ से कहा जाता है कि रूसी युद्धपोत जाओ, भाड़ में जाओ। इसके बाद द्वीप पर मौजूद सभी 13 जवानों को मार दिया जाता है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। यूक्रेन पर हमला के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दुनिया के साथ घरेलू नाराजगी का भी सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन पर हमले के विरोध में रूस के दर्जनों शहर में प्रदर्शनकारियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद 1700 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वर्ल्ड बैंक यूक्रेन को आर्थिक मदद देने को तैयार हो गया है।

कार्टून कोना

मोदी सरकार की सामरिक नीतियों के कारण देश को भारी नुकसान उठाना होगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बॉर्डर पर चीनी दखल अंदाजी को लेकर राहुल गांधी ने अपनी चिंता व्यक्त की है। राहुल ने मोदी सरकार की सामरिक नीतियों को लेकर निशाना साधकर आने वाले समय में इस तरह की नीति के कारण देश को होने वाले खतरों को लेकर अगाह किया है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर पाकिस्तान और चीन के साथ तनाव पूर्ण रिश्तों को लेकर अपनी चिंता को व्यक्त किया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया, कि केंद्र की सामरिक गलतियों की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने चीन और पाकिस्तान के संदर्भ में अपने एक बयान तथा सरकार की कुछ टिप्पणियों का हवाला देकर ट्वीट किया, इस सरकार की सामरिक गलतियों की भारी कीमत देश को चुकानी होगी। राहुल पिछले कुछ महीनों के दौरान सीमा पर चीन के साथ तनाव को लेकर मोदी सरकार पर लगातार हमले करते रहे हैं। बजट सत्र के पहले चरण के दौरान उन्होंने लोकसभा में आरोप लगाया था कि मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण चीन और पाकिस्तान एक साथ आ गए हैं।

बता दें कि देश में 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं सभी पार्टियां एक दूसरे पर हमलावर हैं।इसके बाद जब विश्व स्तर पर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हो रहा है तो सभी की निगाहें भारत के स्टैंड पर बनीं हुई है कि आखिर भारत किस पक्ष में हैं। सरकार युद्ध के पक्ष में नहीं है वह युद्ध को खत्म करने की ही अपील कर रही हैं।

जन हितैषी

पुतिन की मंशा

लंबे तनाव के बाद रूस ने गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे यूक्रेन पर हमला बोल दिया। मिसाइल हमले में यूक्रेन के कई नागरिकों की मौत हो गई है। रूस की फौज यूक्रेन के कई इलाकों में पहुंच चुकी है। कई पैराटूपर्स यूक्रेन के मिलिट्री इंस्टॉलेशन्स पर उतारे गए हैं। उधर, यूक्रेन का दावा है कि उसने 6 रूसी फाइटर जेट्स को मार गिराया है। बताया जाता है कि यूक्रेन के कई गांव पर रूसी सेना का कब्जा हो गया है। यहां सिलसिलेवार धमाके हो रहे हैं। इस बीच, बेलारूस बॉर्डर से भी रूस ने हमला बोल दिया। रूस अब तीन तरफ से यूक्रेन पर हमले कर रहा है। वहीं रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन की सेना ने सरेंडर करना शुरू कर दिया है। इन सबके बीच सवाल यह है कि पुतिन क्या वाकई रूस को सोवियत संघ जैसी महाशक्ति बनाना चाहते हैं या मॉस्को की सत्ता पर अपना 23 साल पुराना कब्जा पुख्ता करना चाहते हैं। क्या वाकई एक सुरक्षित रूस के लिए यूक्रेन को नाटो से दूर रखना ही उनका मकसद है? 1991 में सोवियत संघ के बिखरने के बाद बने यूक्रेन को शुरू से ही रूस अपने पाले में करने की कोशिशें करता आया है। हालांकि, यूक्रेन रूसी प्रभुत्व से खुद को बचाए रखने के लिए पश्चिमी देशों की ओर झुका रहा। दरअसल, यूक्रेन की रूस के साथ 2200 किमी से ज्यादा लंबी सीमा है। रूस का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो से जुड़ता है तो नाटो सेनाएं यूक्रेन के बहाने रूसी सीमा तक पहुंच जाएंगी। उधर, अमेरिका भी अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहा है। सोवियत संघ के टूटने के बाद 15 से ज्यादा यूरोपीय देश नाटो में शामिल हो चुके हैं। अब वह यूक्रेन को भी नाटो में शामिल करना चाहता है। इसीलिए रूस चाहता है कि यूक्रेन ये गांरटी दे कि वह कभी भी नाटो से नहीं जुड़ेगा। रूस का राष्ट्रपति बनने के बाद से ही व्लादिमिर पुतिन कई बार ये कह चुके हैं कि सोवियत संघ का विघटन ऐतिहासिक भूल थी। पुतिन रूस के सोवियत संघ वाले दिन लौटाना चाहते हैं। 1991 में रूसी प्रभुत्व वाले सोवियत संघ के विघटन से 15 नए देश बने थे, जिनमें से एक यूक्रेन भी था। पुतिन रूस का विस्तार करके उसका पुराना प्रभुत्व कायम करना चाहते हैं। पुतिन की इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए यूक्रेन सबसे महत्वपूर्ण है। 2015 में अपने एक भाषण में पुतिन ने यूक्रेन को रूस का मुकुट कहा था। कुल मिलाकर पुतिन धीरे-धीरे रूस के विस्तार करने की अपनी रणनीति में आगे बढ़ते और कुछ हद तक कामयाब होते भी दिख रहे हैं। 1999 में रूस के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही व्लादिमिर पुतिन ने खुद को सत्ता में बनाए रखने के लिए हर संभव कोशिश की है। अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद हाल के वर्षों में पुतिन की लोकप्रियता में गिरावट आई है। अक्टूबर 2021 में आए लेवाडा सेंटर सर्वे के मुताबिक, पुतिन की लोकप्रियता पिछले एक दशक के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यूक्रेन पर हमले से पहले भी पुतिन की लोकप्रियता में इजाफा हो चुका है, इसीलिए पुतिन फिर वैसा ही करके अपनी साख को फिर ऊंचा करना चाहते हैं। 16 साल रूसी खुफिया एजेंसी में काम करने के बाद पुतिन 1991 में राजनेता बने थे। 1999 में वह बोरिस येल्तसिन के पद छोडऩे के बाद बाद रूस के राष्ट्रपति बने। 2004 में वह दोबारा राष्ट्रपति चुने गए, लेकिन रूसी संविधान के अनुसार लगातार दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं बनने के नियम के बाद वह 2008 से 2012 तक रूस के प्रधानमंत्री रहे। 2012 में पुतिन फिर से रूस के राष्ट्रपति बने और तब से पद पर कायम हैं। 2020 में रूसी संविधान में बदलाव से उनके 2036 तक रूस का राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता साफ हो गया था। दुनिया के कच्चे तेल के उत्पादन में रूस की हिस्सेदारी 13 फीसदी है। दुनिया के तेल और गैस का करीब 30 फीसदी हिस्सा रूस से आता है। यूरोप की जरूरतों का 30 फीसदी कच्चा तेल और 40 फीसदी गैस रूस से आती है। यूक्रेन संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं, जो सितंबर 2014 के बाद से सबसे ज्यादा हैं। युद्ध की स्थिति में तेल की कीमतों के और बढऩे की आशंका है, ऐसा होने पर रूस की कमाई में इजाफा हो सकता है। 2021 के अंत में यूक्रेन संकट बढऩे पर रूस ने यूरोप को गैस सप्लाई में कटौती की थी, जिससे यूरोपीय देशों में बिजली की कीमत पांच गुना तक बढ़ गई थी। कई यूरोपीय सदस्य देश अपनी गैस की जरूरतों के लिए रूस पर बुरी तरह निर्भर हैं। यूक्रेन मामले को देखते हुए जर्मनी रूस को समुद्र के अंदर बिछाई गई 1222 किलोमीटर लंबी नवनिर्मित नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन को बंद करने का धमकी दे रहा है, लेकिन ऐसा करने पर जर्मनी समेत यूरोप को ज्यादा नुकसान पहुंचेगा।

अमेरिकी की गीदड़भभकियां

यूक्रेन के मामले में अमेरिका और नाटो बुरी तरह से मात खा गए हैं। अमेरिका ने अपनी बेइज्जती यहां पहली बार नहीं कराई है। इसके पहले भी वह क्यूबा, वियतनाम और अफगानिस्तान में धूल चाट चुका है। रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली और सबसे संपन्न सैन्य गुट को चारों खाने चित करके रख दिया है। जो देश रूस से टूटकर नाटो में शामिल हो गए थे, अब उनके भी रोंगटे खड़े हो गए होंगे। उन्हें भी यह डर लग रहा होगा कि यूक्रेन के बाद अब कहीं उनकी बारी तो नहीं आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का यह बयान कितना बेशर्मीभरा है कि उनकी सेनाएं सिर्फ नाटो देशों की रक्षा करेंगी। वे अपनी सेनाएं यूक्रेन नहीं भेजेंगे। पूतिन ने पहले यूक्रेन के तीन टुकड़े कर दिए और फिर उन्होंने वहां अपनी 'शांति सेना' भिजवा दी। यदि नाटो राष्ट्र ईमानदार और दमदार होते तो वह तत्काल ही अपनी फौजें वहां भेजकर यूक्रेनी संप्रभुता की रक्षा करते लेकिन उनका बगलें झांकना सारी दुनिया को चकित कर गया। मुझे तो उसी वक्त लगा कि अमेरिका और नाटो अब तक जो धमकियां दे रहे थे, वे शुद्ध नपुंसकता के अलावा कुछ नहीं थीं। अमेरिका के गुप्तचर विभाग ने पहले से दावा किया था कि रूस तो यूक्रेन पर हमले की तैयारी कर चुका है। इसलिए बाइडन और उनके रक्षा मंत्री यह नहीं कह सकते कि यूक्रेन पर अब रूसी हमला अचानक हुआ है। इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि अमेरिका और नाटो गीदड़भभकियां देते रहे। इसका दूरगामी अभिप्राय यह भी है कि रूस को अब नई विश्व शक्ति बन जाने का अवसर अमेरिका ने प्रदान कर दिया है। यूक्रेन तो समझ रहा था कि अमेरिका उसका संरक्षक है लेकिन अमेरिका ने ही यूक्रेन को मरवाया है। यदि अमेरिका उसे पानी पर नहीं चढ़ाता तो उसके राष्ट्रपति वी. झेलेंस्की हर हालत में पूतिन के साथ कोई न कोई समझौता कर लेते और यह विनाशकारी नौबत आती ही नहीं। जर्मनी और फ्रांस के नेताओं ने मध्यस्थता की कोशिश जरुर की लेकिन वह कोशिश विफल ही होनी थी, क्योंकि ये दोनों राष्ट्र नाटो के प्रमुख स्तंभ हैं और नाटो यूक्रेन को अपना सदस्य बनाने पर आमादा है, जो कि इस झगड़े की असली जड़ है। इस सारे विवाद में सबसे उत्तम मध्यस्थ की भूमिका भारत निभा सकता था लेकिन दोनों पक्षों से वह सिर्फ शांति की अपील करता रहा, जो शुद्ध लीपापोती या खानापूरी के अलावा कुछ नहीं है। मैं पिछले कई हफ्तों से कहता रहा हूं कि भारत कोई पहल जरुर करे लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि हमारे पास पक्ष या विपक्ष में कोई ऐसा नेता नहीं है, जो इतनी बड़ी पहल कर सके। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूतिन से बात की, यह अच्छा किया लेकिन यही काम वे बाइडन के साथ भी महिना भर पहले करते तो उसकी कुछ कीमत होती। अब तो भारत का राष्ट्रहित इसी में है कि हमारे 20 हजार छात्र और राजनयिक लोग यूक्रेन में सुरक्षित रहें और हम तैल के बढ़े हुए भावों को बर्दाश्त कर सकें। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस) (लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

दैनिक पंचांग

26 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कुंभ में
चंद्र	धनु में
मंगल	धनु में
बुध	मकर में
गुरु	कुंभ में
शुक्र	धनु में
शनि	मकर में
राहु	वृष में
केतु	वृश्चिक में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मीन	07.19 बजे से
मेष	08.49 बजे से
वृष	10.29 बजे से
मिथुन	12.28 बजे से
कर्क	14.41 बजे से
सिंह	16.57 बजे से
कन्या	19.09 बजे से
तुला	21.20 बजे से
वृश्चिक	23.34 ब.से
धनु	01.50 बजे से
मकर	03.56 बजे से
कुंभ	05.42 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 57 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 10.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 10.32 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 20.51 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 10.40 बजे तदनन्तर बव 21.27 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871171 **जूलियन दिन** 2459636.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 24 **विशेष** विजया एकादशी, महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती, वीर सावरकर पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				
काल	05.55	से	07.23	बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51	बजे तक
रोग	08.51	से	10.19	बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46	बजे तक
चर	11.46	से	01.14	बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42	बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10	बजे तक
काल	04.10	से	05.37	बजे तक

रात का चौघड़िया				
लाभ	05.37	से	07.10	बजे तक
उद्वेग	07.10	से	08.42	बजे तक
शुभ	08.42	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.14	से	11.47	बजे तक
चर	11.47	से	01.19	बजे तक
रोग	01.19	से	02.51	बजे तक
काल	02.51	से	04.23	बजे तक
लाभ	04.23	से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

देश में बढती आत्महत्याएं ,दोषी कौन- ?

देश में बढती आत्महत्याएं एक गंभीर चिन्ता का विषय बनता जा रहा है। आज युवा में बढती कुंठा,असहनशीलता ,और असफलता आत्महत्याओं का कारण बन रहे है।आत्महत्याओं के 2018 से लेकर 2020तक के आंकड़ों से चिंता होती जा रही है।तीन सालों में 10 हजार बेरोजगारों ने आत्महत्या कर ली। आंकड़ों के अनुसार कर्ज व दिवालिएपन के कारण 2018 में 4970,और 2019 में 5908 तथा 2020 में 5213 लोगों ने मौत को गले लगाया। बेरोजगारी के कारण 2018 में 2741और 2019 में 2851 तथा 2020 में 3548 लोगों ने अपनी इहलीला समाप्त कर ली। भौतिकवादी सोच ने समाज में कई तरह के पतन पैदा किए है। पैसे की भूख व अतिवादी सोच ने उपहार में लोगों को एकाकी जीवन व तनाव दिया है। आज मानव जीवन में तनाव इतना अधिक बढ गया है।कि बच्चे से लेकर बूढा,शिक्षित से लेकर अशिक्षित ,छात्र से लेकर उच्च अधिकारी,किसान,गरीब से लेकर अमीर सभी तनाव से ग्रस्त है।मानसिक तनाव के कारण देश में सामूहिक आत्महत्याओं की प्रवृति बेतहाशा बढती जा रही है।ऐसा क्यों है।यह एक अनसूलझी पहेली बनती जा रही है।दरअसल मानव की अपेक्षाएं इतनी बलबती हो गई है कि मानव रातों -रात अमीर बनने की चाहत में अवैध व अनैतिक कार्यों को अंजाम देकर अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर रहा है। लेकिन इतिहास साक्षी है कि दुनिया में जितने भी सफल लोग है संघर्षो के बाद ही उच्चें मुकाम पर पहुचें है। आज मानव असफल होने पर आत्महत्या कर रहा है। कहते है मानव जीवन बहुत ही संघर्षो के बाद मिलता है मगर देश में जिस प्रकार युवा से लेकर बुजुर्ग तक अपनी जीवन लीलाएं समाप्त कर रहें हैं बहुत ही दुखद है। आत्महत्या करने का एक कारण हो सकता है लेकिन जीने के हजार कारण है। काली से काली रात के बाद भी दिन का उजाला होना निश्चित है। फिर जीवन से खिलवाड क्यों कर रहे हो। मानव जीवन एक बार मिलता है बार बार नहीं ? इन्सान को इस पर गहन चिन्तन करना होगा। आज मानव हताशा व निराशा के भंवर से मुकाबला करने के बजाए मौत ही आखिरी विकल्प ढूंढ रहा है।जबकि दुनिया में कोई भी चीज असंम्भव नहीं है।हताशा के अन्धेरे में दीये बूझ रहे हैं।इन बूझते दीयों को बचाने के लिए समाज को एक रूपरेखा तैयार करनी होगी।ताकि इस भयानक प्रवृति पर विराम लग सके। समाज में टूटते परिवार,बेरोजगारी ,गरीबी ,व अशिक्षा, तनाव के मुख्य कारण हैं। आज के युवा कैरियर को लेकर भी परेशान है। मनमाफिक रोजगार न मिलने के कारण तनावग्रस्त रहते है। प्रेम में असफलता ,परीक्षा मे फेल होने, कर्ज न चुकाने ,के कारण भी मौत को गले लगा रहा है।युवा वर्ग में यह प्रवृति बडे पैमाने पर बढती जा रही है।यदि इस पर संज्ञान न लिया तो भविष्य में मुशिकलें पैदा होगी।भारत एक ऐसा देश है जहां सबसे अधिक आत्महत्याएं होती है।प्रतिदिन आत्महत्याओं की खबरें सुर्खियां बनती है।इंसान खुद तो मर जाता है लेकिन पीछे तडफने के लिए पूरा परिवार छोड देता है।दहेज के कारण भी आत्महत्याएं बढ रही है। देश के अन्नदाता कहलाने वाले किसान का आत्महत्या करने का कारण कभी सरकारी नीतियां बनती है।तो कभी मौसम की बेरूखी।पिछले पन्द्रह सालों में एक लाख से भी अधिक किसान आत्महत्या कर चुके है। आज तक किसी किसान ने अकाल ,बाढ, भूखमरी के कारण आत्महत्या तक नहीं की लेकिन सरकारी नीतियां ही इसका कारण बन रही हैं। लोगों ने अपनी जीवन लीलाएं खत्म की है। आत्महत्याओं के औसतन तीन सौ मामले प्रतिदिन सामने आते है। भारत के परिपेक्ष्य मे आत्महत्या के तरीकों में फांसी लगाना ,आग लगाना,तथा जहरीला पदार्थ निगलना,मुख्य है, देश मे घटित इन मामलों से भविष्य की भयानक तस्वीर दिख रही है।समाजशास्त्री कहते हैं कि सामाजिक सुरक्षाबोध,पारिवारिक जुडाव,और तनाव से दूरी ही आत्महत्याओं पर अंकुश लगा सकती है। हताशा के कदम रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने होगें। ताकि समाज से इस प्रवृति को दूर किया जा सके।देश के युवाओं की नकारात्मक सोच को सकारात्मक बनाना होगा। सामजिक परिदृश्य को बदलना हर नागरिक का कर्तव्य है।समाज के बुध्दिजीवी लोगों को इस पर मनन करना चाहिए। युवा देश के कर्णधार होते हैं जो देश की दिशा बदल सकते हैं। इन्हे दिगभ्रमित होने से बचाना जरूरी है। युवाओं का मार्गदर्शन करना होगा ताकि निराशा व हताशा से दूर रह सके।यह देश हित व जनहित के लिए बेहद लाजिमी है।सरकारों को भी इन घटनाओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए। यदि अब भी इन घटनाओं के प्रति कदम न उठाये तो अनमोल जिंदगियां बर्बाद होती रहेगी। (लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंती

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती (1824-1883) आधुनिक भारत के महान चिन्तक, समाज-सुधारक, तथा आर्य समाज के संस्थापक थे। उनके बचपन का नाम 'मूलशंकर' था। उन्होंने वेदों के प्रचार और आर्यावर्त को स्वंत्रता दिलाने के लिए मुम्बई में आर्यसमाज की स्थापना की। वे एक संन्यासी तथा एक चिन्तक थे। उन्होंने वेदों की सत्ता को सदा सर्वोपरि माना। 'वेदों की ओर लौटो' यह उनका प्रमुख नारा था।

स्वामी दयानन्द ने वेदों का भाष्य किया इसलिए उन्हें 'ऋषि' कहा जाता है क्योंकि 'ऋषयो मन्त्र दृष्टारः' (वेदमन्त्रों के अर्थ का दृष्टा ऋषि होता है)। उन्होने कर्म सिद्धान्त, पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य तथा सन्यास को अपने दर्शन के चार स्तम्भ बनाया। उन्होने ही सबसे पहले 1876 में 'स्वराज्य' का नारा दिया जिसे बाद में लोकमान्य तिलक ने आगे बढ़ाया। प्रथम जनगणना के समय स्वामी जी ने आगरा से देश के सभी आर्यसमाजो को यह निर्देश भिजवाया कि 'सब सदस्य अपना धर्म ' सनातन धर्म' लिखवाएं। क्योंकि 'हिंदू' शब्द विदेशियों की देन हैं और 'फारसी भाषा' में इसके अर्थ 'चोर, डाकू' इत्यादि हैं ।

दयानन्द के विचारों से प्रभावित महापुरुषों की संख्या असंख्य है, इनमें प्रमुख नाम हैं- मादाम भिकाजी कामा,भगत सिंह पण्डित लेखराम आर्य, स्वामी श्रद्धानन्द, चौधरी छोटूराम पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी, श्यामजी कृष्ण वर्मा, विनायक दामोदर सावरकर, लाला हरदयाल, मदनलाल ढींगरा, राम प्रसाद 'बिस्मिल', महादेव गोविंद रानाडे, महात्मा हंसराज, लाला लाजपत राय इत्यादि। स्वामी दयानन्द के प्रमुख अनुयायियों में लाला हंसराज ने 1886 में लाहौर में 'दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज' की स्थापना की तथा स्वामी श्रद्धानन्द ने 1901 में हरिद्वार के निकट कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना की।

महर्षि दयानन्द के हृदय में आदर्शवाद की उच्च भावना, यथार्थवादी मार्ग अपनाने की सहज प्रवृत्ति, मातृभूमि की नियति को नई दिशा देने का अदम्य उत्साह, धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक व राजनैतिक दृष्टि से युगानुकूल चिन्तन करने की तीव्र इच्छा तथा आर्यावर्तीय (भारतीय) जनता में गौरवमय अतीत के प्रति निष्ठा जगाने की भावना थी। उन्होंने किसी के विरोध तथा निन्दा करने की परवाह किये बिना आर्यावर्त (भारत) के हिन्दू समाज का कायाकल्प करना अपना ध्येय बना लिया था।

आर्य समाज की स्थापना

ॐ ओ3म को आर्य समाज में ईश्वर का सर्वोत्तम और उपयुक्त नाम माना जाता है

महर्षि दयानन्द ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 1932(सन् 1875) को गिरगांव मुम्बई में आर्यसमाज की स्थापना की। आर्यसमाज के नियम और सिद्धांत प्राणिमात्र के कल्याण के लिए है। संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है, अर्थात् शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।

वैचारिक आन्दोलन, शास्त्रार्थ एवं व्याख्यान

वेदों को छोड़ कर कोई अन्य धर्मग्रन्थ प्रमाण नहीं है - इस सत्य का प्रचार करने के लिए स्वामी जी ने सारे देश का दौरा करना प्रारम्भ किया और जहां-जहां वे गये प्राचीन परम्परा के पण्डित और विद्वान उनसे हार मानते गये। संस्कृत भाषा का उन्हें अगाध ज्ञान था। संस्कृत में वे धाराप्रवाह बोलते थे। साथ ही वे प्रचण्ड तार्किक थे।

समाज सुधार के कार्य

महर्षि दयानन्द ने तत्कालीन समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों तथा अन्धविश्वासों और रूढियों-बुराइयों व पाखण्डों का खण्डन व विरोध किया, जिससे वे 'संन्यासी योद्धा' कहलाए। उन्होंने जन्मना जाति का विरोध किया तथा कर्म के आधार पर वेदानुकूल वर्ण-निर्धारण की बात कही। वे दलितोद्धार के पक्षधर थे। उन्होंने स्त्रियों की शिक्षा के लिए प्रबल आन्दोलन चलाया। उन्होंने बाल विवाह तथा सती प्रथा का निषेध किया तथा विधवा विवाह का समर्थन किया। उन्होंने ईश्वर को सृष्टि का निमित्त कारण तथा प्रकृति को अनादि तथा शाश्वत माना।

स्वराज्य के प्रथम सन्देशवाहक

स्वामी दयानन्द सरस्वती को सामान्यतः केवल आर्य समाज के संस्थापक तथा समाज-सुधारक के रूप में ही जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता के लिए किये गए प्रयत्नों में उनकी उल्लेखनीय भूमिका की जानकारी बहुत कम लोगों को है। वस्तुस्थिति यह है कि पराधीन आर्यावर्त (भारत) में यह कहने का साहस सम्भवतः सर्वप्रथम स्वामी दयानन्द सरस्वती ने ही किया था कि ठआर्यावर्त (भारत), आर्यावर्तियों (भारतीयों) का हैठ। हमारे प्रथम स्वतन्त्रता समर, सन् 1857 की क्रान्ति की सम्पूर्ण योजना भी स्वामी जी के नेतृत्व में ही तैयार की गई थी और वही उसके प्रमुख सूत्रधार भी थे।

स्वामी जी की मृत्यु 30 अक्टूबर 1883 को दीपावली के दिन सन्ध्या के समय हुई थी।

अंतिम शब्द

स्वधर्म, स्वभाषा, स्वराष्ट्र, स्वसंस्कृति और स्वदेशोन्नति के अग्रदूत स्वामी दयानन्द जी का शरीर सन् 1883 में दीपावली के दिन पंचतत्व में विलीन हो गया और वे अपने पीछे छोड़ गए एक सिद्धान्त, कृण्वन्तो विश्वमार्यम् - अर्थात सारे संसार को श्रेष्ठ मानव बनाओ। उनके अन्तिम शब्द थे - ठप्रभु! तूने अच्छी लीला की। आपकी इच्छा पूर्ण होठ

स्वामी दयानन्द के योगदान के बारे में महापुरुषों के विचार

डॉ? भगवान दास ने कहा था कि स्वामी दयानन्द हिन्दू पुनर्जागरण के मुख्य निर्माता थे।

श्रीमती एनी बेसेन्ट का कहना था कि स्वामी दयानन्द पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने 'आर्यावर्त (भारत) आर्यावर्तियों (भारतीयों) के लिए' की घोषणा की।

सरदार पटेल के अनुसार भारत की स्वतन्त्रता की नींव वास्तव में स्वामी दयानन्द ने डाली थी।

पट्टाभि सीतारमैया का विचार था कि गाँधी जी राष्ट्रपिता हैं, पर स्वामी दयानन्द ुछह्लक्रछ्लु-ङ्खच्द्दछ्र हैं।

फ्रेंच लेखक रोमां रोलां के अनुसार स्वामी दयानन्द राष्ट्रीय भावना और जन-जागृति को क्रियात्मक रूप देने में प्रयत्नशील थे।

अन्य फ्रेंच लेखक रिचर्ड का कहना था कि ऋषि दयानन्द का प्रादुर्भाव लोगों को कारागार से मुक्त कराने और जाति बन्धन तोड़ने के लिए हुआ था। उनका आदर्श है- आर्यावर्त ! उठ, जाग, आगे बढ़। समय आ गया है, नये युग में प्रवेश कर।

स्वामी जी को लोकमान्य तिलक ने ठस्वराज्य और स्वदेशी का सर्वप्रथम मन्त्र प्रदान करने वाले जाज्वलयमान नक्षत्र थे दयानन्द ठ

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने ठआधुनिक भारत का आद्यनिर्माताठ माना।

अमरीका की मदाम ब्लेवेट्स्की ने ठआदि शंकराचार्य के बाद ठबुराई पर सबसे निर्भीक प्रहारकठ माना।

सैयद अहमद खां के शब्दों में ठस्वामी जी ऐसे विद्वान और श्रेष्ठ व्यक्ति थे, जिनका अन्य मतावलम्बी भी सम्मान करते थे।'

वीर सावरकर ने कहा महर्षि दयानन्द संग्राम के सर्वप्रथम योद्धा थे।

लाला लाजपत राय ने कहा - स्वामी दयानन्द ने हमे स्वतंत्र विचारना, बोलना और कर्त्तव्यपालन करना सिखाया।

स्वामी दयानन्द सरस्वती की मुख्य कृतियाँ निम्नलिखित हैं-

सत्यार्थप्रकाश,ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका,ऋग्वेद भाष्य, यजुर्वेद भाष्य,चतुर्वेदविषयसूची,संस्कारविधि [illegible] वेदांगप्रकाश,संस्कृतवाक्यप्रबोध,व्यवहारभानु ,आर्योद्देश्यरत्नमाला

27 फ़रवरी 1883 को उदयपुर में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने एक स्वीकारपत्र प्रकाशित किया था जिसमें उन्होंने अपनी मृत्योपरान्त 23 व्यक्तियों को परोपकारिणी सभा की जिम्मेदारी सौंपी थी जो कि उनके बाद उनका काम आगे बढ़ा सकें। इनमें महादेव गोविन्द रानडे का भी नाम है। इस स्वीकारपत्र पर 13 गणमान्य व्यक्तियों के साक्षी के रूप में हस्ताक्षर हैं। इसके प्रकाशन के कुछ छः माह पश्चात ही उनका देहान्त हो गया था। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ ईएमएस)

आज का इतिहास 26 फरवरी

1320 चंद्रगुप्त प्रथम पाटलिपुत्र की गद्दी पर बैठे.

1531 पुर्तगाल में आए भूकंप में कई हजार लोग मारे गए.

1857 पश्चिम बरहामपुर में आजादी की लड़ाई की चिंगारी फूटी.

1936 जापान में सेना ने प्रधानमंत्री रोकी हिरोता को पद से हटा दिया.

1952 ब्रिटेन ने परमाणु बम बना लेने की घोषणा की.

1962 दक्षिण वियतनाम को दो असंतुष्ट वायु सैनिकों ने राष्ट्रपति के महल पर बमबारी की.

1966 स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का निधन.

1968 इजरायल ने अरबों से बातचीत पर सहमति व्यक्त की.

1968 इथोपिया के असंतुष्ट सैनिकों पर देश के दूसरे बड़े शहर अस्पारा पर कब्जा कर लिया.

1972 वर्धा के निकट आवी में विक्रम भू-उपग्रह केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया गया.

1987 अफगानी विमानों ने पाकिस्तान के दो सीमावर्ती गांवों पर बमबारी की जिससे 35 व्यक्ति मारे गए और 200 अन्य घायल हो गए.

1988 सोवियत नेता मिखाईल गोर्बाचेव ने आर्मेनिया के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की.

1990 निराएगुवा में 14 विपक्षी दलों को चुनावों में भारी सफलता.

1993 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में बम विस्फोट में छह व्यक्ति मारे गए तथा एक हजार अन्य घायल हो गए.

1994 बोरिस येल्तसिन के विरोधियों को रूस में आम माफी दे दी गई.

1995 चीन और अमरीका के बीच कॉपी राइट ट्रेडमार्क और पेटेन्ट के बारे में समझौता हुआ.

टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने चहल

लखनऊ (ईएमएस)। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में एक विकेट लेते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही चहल टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। चहल के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 67 विकेट हो गए हैं। वहीं बुमराह ने 55 पारियों में कुल 66 विकेट लिए हैं। वहीं आर अश्विन 61 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा अन्य कोई भारतीय गेंदबाज 60 विकेट के तक नहीं पहुंच पाया है। चहल ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था उन्हें 2 मैच में खेलने का मौका मिला था। पहले मैच में उन्होंने 34 रन देकर एक विकेट जबकि दूसरे मैच में 31 रन देकर एक विकेट लिया था। उनके ओवरऑल टी20 करियर की बात करें तो वे 222 पारियों में 25 की औसत से 246 विकेट लिए हैं। इकोनॉमी 7.57 की है। वे वनडे की 60 पारियों में 104 विकेट लिए हैं।

चानू ने सिंगापुर में स्वर्ण जीता

सिंगापुर (ईएमएस)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां सिंगापुर भारोत्तोलन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। चानू ने यहां 55 किग्रा भार वर्ग में जीत के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिये क्वालीफाई किया है। पहली बार 55 किग्रा भार वर्ग में शामिल हुई चानू ने बड़ी आसानी से कुल मिलाकर 191 किग्रा वजन (86 किग्रा और 105 किग्रा) भार उठाया। वहीं आस्ट्रेलिया की जेसिका सेवास्टेंको कुल 167 किग्रा (77 किग्रा और 90 किग्रा) वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। मलेशिया की एली कैसेंड्रा एंगलबर्ट 165 किग्रा (75 किग्रा और 90 किग्रा) वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहीं। टोक्यो ओलंपिक के बाद यह पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता थी। इस खिलाड़ी ने राष्ट्रमंडल रैंकिंग के आधार पर 49 किग्रा में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये क्वालीफाई किया था पर इस वजन वर्ग में भारत की अधिक स्वर्ण पदक जीतने की संभावनाओं को देखते हुए अपने वजन वर्ग में बदलाव किया।

शब्द पहेली - 7209

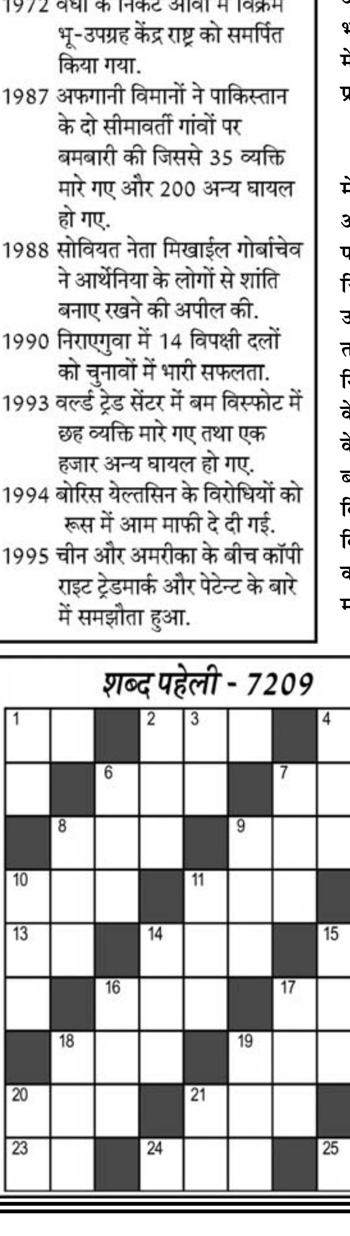

बाएँ से दाएँ

1.दर्द से निकली कराह-2
2.ओट,चिलमन-3
4.जरा,थोड़ा-2
6.कपड़े की दीवार-3
7.निर्माण-3
8.झगड़ा,अनबन-3
9.गहन-3
10.लाज,लज्जा-3
11.रनिवास-3
13.500 कागजों की गड्डी-2
14.विश्राम,राहत-3
15.थोड़ा-2
16.एक कीमती लकड़ी-3
17.कैनाल,उपनदी-3
18.बूंद-3
19.मृत्युंजय-3
20.मेघ,बदरा-3
21.सम्राट,राजा-3
23.संपत्ति-2
24.विष,गरल-3
25.औषधि-2

ऊपर से नीचे

1.अग्नि,अनल-2
2.आश्रय,शरण-2
3.लीन,मगन-2
4.कूड़ा-कर्कट-3
5.इंकार-2
6.लेखनी,पेन-3
7.करुणा,दया-3
8.कर्म,भाग्य-3
9.उष्ण-3
10.भद्र,कुलीन-3
11.अवैध,नाजायज-3
12.युद्ध,रण-3
14.आश्रय-3
15.जलजला-3
16.ठंडा-3
17.नमस्कार,प्रणाम-3
18.कद्र,मान-3
19.जो कभी वृद्ध नो हो-3
20.चील,ईगल-2
21.पथ,मार्ग-2
22.इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -7208 का हल

र	ब	■	ह	सी	न	■	व	य
न	हा	ना	■	मा	र	ना	■	म
■	र	च	ना	■	क	पा	स	■
सा	■	ना	का	र	■	क	र	ना
व	ध	■	म	ह	री	■	ल	य
न	र	म	■	त	स	ला	■	क
■	ती	स	रा	■	ना	य	क	■
रा	■	का	य	र	■	क	हा	नी
ह	त्या	■	ता	म	स	■	र	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

बीसीसीआई ने आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए टीमों को दो समूहों में बांटा

मुंबई और चेन्नई अपने-अपने ग्रुप की शीर्ष टीम बनी

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सत्र के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा बदलाव करते हुए टीमों को दो ग्रुप में बांटा है। इस सत्र में सभी 10 टीमें 14 लीग मैच खेलेंगी। इसमें प्रत्येक टीम को पांच टीमों के खिलाफ दो और चार टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलना होगा। बीसीसीआई ने सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों मुंबई और चेन्नई को दोनों समूहों की शीर्ष टीम बनाया है।

मुंबई को जहां कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं चेन्नई को सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। बीसीसीआई की ओर से टीमों द्वारा आईपीएल खिताब जीत की संख्या और फाइनल खेलने की संख्या को देखते हुए सीडिंग आधार पर ग्रुप बनाए हैं।

बीसीसीआई के मुताबिक पांच बार का आईपीएल मुंबई इंडियंस अपने ग्रुप की चार टीमों कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली और सुपर जायंट्स के खिलाफ दो-दो मैचों के अलावा दूसरे ग्रुप की टीम चेन्नई के खिलाफ दो तथा हैदराबाद, बेंगलुरु, पंजाब और गुजरात के साथ एक-एक मैच खेलेगा।

वहीं इसी तरह गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स अपने ग्रुप में हैदराबाद, बेंगलुरु, पंजाब और गुजरात के साथ दो-दो मैचों के अलावा मुंबई के साथ दो तथा कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली और सुपर जायंट्स के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा।

जैव सुरक्षा घेरे में होंगे मुकाबले

कोरोना वायरस से बचाव के कारण बायो-सिक्योर बबल में खेला जाएगा। इसके अलावा हवाई यात्राओं से बचने के लिए लीग स्टेज के सभी 70 मुकाबले 2 शहरों मुंबई और पुणे में आयोजित किए जाएंगे। इस बार आईपीएल में 8 के बजाए 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसलिएबीसीसीआई ने सभी 10 टीमों को अलग-अलग दो ग्रुप में बांटा है। हर ग्रुप में 5 टीमें हैं। बीसीसीआई के कार्यक्रम के मुताबिक, हर टीम अपने-अपने ग्रुप की बाकी टीमों के साथ 2-2 मुकाबले खेलेगी. जबकि दूसरे ग्रुप की एक टीम के साथ 2 और बाकी बची टीमों के साथ एक-एक मैच ही खेलेगी।

बीसीसीआई के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। वहीं मुंबई इंडियंस को ग्रुप-ए में रखा गया है। मुंबई के साथ ग्रुप-ए में कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स भी शामिल है। आईपीएल में इस सीजन में शामिल लखनऊ सुपर जायंट्स को भी इसी ग्रुप में रखा गया ह। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ग्रुप-बी में पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, आरसीबी और गुजरात टाइटन्स है।

बीसीसीआई ने सभी 10 टीमों को उनके आईपीएल खिताब जीतने की संख्या और सबसे अधिक फाइनल खेलने के आधार पर सीडिंग दी है। इस लिहाज से मुंबई इंडियंस को पहले स्थान या पहली सीडिंग दी गई है क्योंकि मुंबई ने 5 बार आईपीएल का खिताब जीता है जबकि टीम 6 फाइनल खेली है इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स का नंबर है हैदराबाद और राजस्थान ने एक-एक बार खिताब जीता है लेकिन हैदराबाद ने 2 बार फाइनल खेला है। इसलिए उसे राजस्थान से ऊपर रखा गया है। सबसे अधिक आईपीएल खिताब जीतने वाली इन टॉप-5 टीमों के बाद उन टीमों को रखा गया है, जो सबसे ज्यादा बार फाइनल खेली हैं। इसी आधार पर आरसीबी छठे स्थान पर है क्योंकि उसने 3 फाइनल खेले हैं। दिल्ली और पंजाब की टीम भी 1-1 फाइनल खेली है। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स है। इन्हें कीमत के आधार पर ऊपर-नीचे रखा गया है। इसी तरह सभी 10 टीमों को ग्रुप-ए और ग्रुप-बी में बांटा गया है। 1, 3,5 और 7 नंबर यानी विषम सीडिंग वाली टीम ग्रुप-ए में है। इसी तरह 2, 4, 6 और 8 नंबर यानी सम सीडिंग वाली टीमों को ग्रुप-बी में रखा गया है। लखनऊ और गुजरात नई टीमें हैं। लखनऊ को ग्रुप-ए में और गुजरात को ग्रुप-बी में रखा गया है।

ग्रुप – ए	ग्रुप – बी
मुंबई इंडियंस (5 बार खिताब)	चेन्नई सुपर किंग्स (4 बार खिताब)
कोलकाता नाइट राइडर्स(2 बार खिताब)	सनराइजर्स हैदराबाद (1 बार खिताब)
राजस्थाय रॉयल्स(1 बार खिताब)	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर
दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स
लखनऊ सुपर जाइंट्स	गुजरात टाइटंस

रुस से मुकाबले के लिए तैयार हैं दो विश्व चैम्पियन मुक्केबाज

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की के आम नागरिकों से हथियार उठाने की अपील पर दो विश्व चैंपियन मुक्केबाज भाई अपने देश के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज व्लादिमीर क्लिट्स्को के अनुसार रूस के हमले का उनका देश पूरी ताकत से मुकाबला कर रहा है। ओलिंपिक स्वर्ण विजेता इस मुक्केबाज ने सोशल मीडिया के जरिये अपने देशवासियों की हिम्मत बढ़ायी है।

साल 2021 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए इस यूक्रेनी मुक्केबाज ने इसी माह क्षेत्रीय बलों में एक में रिजर्व के रूप में प्रवेश लिया है। वहीं व्लादिमीर क्लिट्स्को के भाई विटाली क्लिट्स्को कीव के मेयर हैं, वह भी विश्व चैंपियन मुक्केबाज रहे हैं और लड़ाई के लिए तैयार हैं।

दुबई विश्व तीरंदाजी में भारत के हरविंदर का मुकाबला रोड्रिग्ज से

दुबई (ईएमएस)। भारत के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह का समाना यहां दुबई विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में 22वीं वरीयता प्राप्त स्पेन के जोस मैनुअल मारिन रोड्रिग्ज से होगा। हरविंदर को पुरुषों की व्यक्तिगत ओपन रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में बाई मिली है। हरविंदर को रैकिंग राउंड के बाद 11वीं वरीयता दी गयी है। वहीं भारत के ही राजेश ने 25वें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया है। उन्होंने पहले दौर में थाईलैंड के सुकुन फेट को 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। हरविंदर रिकर्व मिश्रित टीम और पुरुष युगल स्पर्धाओं में भी खेलेंगे, जिनमें भारत ने पांचवां और सातवां स्थान हासिल किया।

रोहित , शार्दुल और सूर्यकुमार को सम्मानित करेगा एमसीए

अंगकृष को देगा एक लाख रुपये का इनाम

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने तीनों प्रारुपों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बने रोहित शर्मा को सम्मानित करने का फैसला किया है। रोहित घरेलू क्रिकेट में मुम्बई से खेलते हैं। एमसीए के एक सदस्य ने कहा, 'शीर्ष परिषद बैठक में रोहित को सभी तीनों प्रारूपों का कप्तान बनने पर सम्मानित करने का फैसला किया गया। रोहित के अलावा अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को भी एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

वहीं इसके साथ ही एमसीए भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी सम्मानित करेगी। एसोसिएशन ने कहा कि आईपीएल 2022 से पहले सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पृथ्वी शॉ और सरफराज खान भी सम्मानित होंगे।

26 मार्च से शुरु होगा आइपीएल

प्लेऑफ मुकाबलों के स्थान अभी तय नहीं हुए

25 से 50 दर्शकों को मिल सकता है प्रवेश

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र का मुकाबला 26 मार्च से खेला जाएगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 29 मई को होगा। ब्रजेश पटेल की अध्यक्षता में हुई आइपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक में इसके कार्यक्रम पर फैसला हुआ। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने वर्चुअल तरीके से इसमें भाग लिया।

गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में तय हुआ कि सभी लीग मुकाबले मुंबई में ही खेले जाएंगे। वहीं प्लेऑफ मुकाबले के स्थान को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बार आईपीएल में आठ की जगह दस टीमें नजर आयेंगी। लखनऊ सुपर जॉयंट्स और गुजरात टाइटंस को पहली बार मौका मिला है। ऐसे में इस बार 60 की जगह 74 मुकाबले खेले जाएंगे। यानी 14 मैच अधिक होंगे. फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा।

वहीं बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार आइपीएल के दौरान स्टेडियम में 25 से 50 फीसदी दर्शकों को आने की अनुमति दी जाएगी पर इस दौरान कोविड-19 के लिए सरकार के दिये दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। टूर्नामेंट खाली स्टेडियम में नहीं होगा।

इस दौरान खेले जाने वाले कुल 70 लीग मैचों में से से 55 मैच मुंबई में जबकि 15 मैच पुणे में खेले जाएंगे। ये सभी मुकाबले चार स्टेडियमों में खेले जाएंगे जिसमें 20 मैच वानखेड़े स्टेडियम, 15 मैचों का आयोजन ब्रेबान स्टेडियम, 20 मुकाबले डीवाई पाटिल स्टेडियम में जबकि 15 मैचों का आयोजन महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन मैदान, पुणे में होगा।

रूस-यूक्रेन संकट से भारत में मोबाइल-कार समेत खाद्यन्न हो जाएगा मंहगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की की छाया से भारत भी प्रभावित होगा। भारत में खाद्य तेल, पेट्रोल समेत कई चीजों के साथ मोबाइल फोन और बाइक-कार भी महंगे हो सकते हैं। इसकी वजह पैलेडियम धातु है, जो रूस में बड़ी मात्रा में पाई जाती है। रूस पैलेडियम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। पिछले साल यहां पैलेडियम का 2.6 मिलियन ट्रॉय औंस उत्पादन हुआ, जो दुनिया भर में पैलेडियम के कुल उत्पादन का 40फीसदी था। पैलेडियम का इस्तेमाल पेट्रोल और हाईब्रिड गाड़ियों के एग्जॉस्ट, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट, डेंटल ट्रीटमेंट, ज्वेलरी में भी होता है।

कार में पैलेडियम का इस्तेमाल उससे निकलने वाली जहरीली गैसें जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के असर को कम करने के लिए होता है। यह इन गैसों को नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी कम नुकसानदायक गैसों में बदल देता है। पेट्रोल और हाईब्रिड गाड़ियों के एग्जॉस्ट में इस्तेमाल होने वाले कैटेलिटिक कनवर्टर पैलेडियम से तैयार किए जाते हैं। 2009 में पहली बार पेट्रोल गाड़ियों की बिक्री डीजल गाड़ियों के मुकाबले बढ़ गई थी। मोबाइल फोन के निर्माण में पैलेडियम बेहद जरूरी आवश्यक धातु है। फोन में इसका इस्तेमाल बेहद छोटे स्तर पर किया जाता है, लेकिन यह बहुत जरूरी होता है। एक फोन में करीब 0.015 ग्राम पैलेडियम का इस्तेमाल होता है। फोन के माइक्रोप्रोसेसर और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड में पैलेडियम को लगाया जाता है। इसी तरह, जब एक दांत 'ड्रिल एंड फिल' ट्रीटमेंट से परे हो जाता है, तो क्राउन और ब्रिज के लिए पैलेडियम मिश्र धातुओं का उपयोग किया जाता है। एक ग्राम पैलेडियम की कीमत करीब 6,188 रुपए है। इस तरह इसके 10 ग्राम की कीमत 72,184 रुपए हो जाती है, जो सोने और प्लैटिनम की कीमत से काफी ज्यादा है। पैलेडियम, प्लैटिनम की तरह ही चमकने वाली एक सफेद रंग की धातु होती है। ये रूस और दक्षिण अफ्रीका में भारी मात्रा में पाई जाती है। इसे जमीन से निकालने की प्रक्रिया भी बेहद जटिल होती है। इसके अलावा यह जमीन में बहुत कम मात्रा में पाया जाता है। यही कारण है कि यह अपेक्षित रूप से काफी महंगा होता है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से घरेलू बाजार में यह बढ़त आई है। इसके पहले गुरुवार को रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद बाजार नीचे आया था पर अब रूस पर लगाई पाबंदियों के बाद बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,328.61 अंक करीब 2.44 फीसदी बढ़कर 55,858.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 410.45 अंक तकरीबन 2.53 फीसदी के उछाल के साथ 16,658.40 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ।

सेंसेक्स के सभी शेयर लाभ में रहे केवल एचयूएल और नेस्ले के शेयर गिरे हैं। वहीं टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में 6.54 फीसदी तक की बढ़त आई है। इससे पहले गुरुवार को बाजार 2,700 अंक से अधिक टूटा था।

वहीं निफ्टी भी 815.30 अंक तकरीबन 4.78 फीसदी नीचे आया था। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में आई तेजी से भारतीय बाजारों में भी बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

युद्ध छिड़ने के बाद लोग घर छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे हैं

-स्लोवाकिया बॉर्डर पर लगी कारों की कतार, यूएन ने जताई चिंता

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन की सेना तीन तरफ से रूस की सेना से लड़ाई लड़ रही है। कीव से पश्चिम की ओर जाने वाले राजमार्ग पर करीब 30 लाख लोग रहते हैं। युद्ध छिड़ने के बाद अब यहां के लोग घर छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए इस 5 लेन के हाइवे पर जाम लग गया है। लोग अपनी ही कार में फंस गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि अनुमान है कि 100,000 यूक्रेनियन अपने घरों से भाग निकले हैं। रोमानिया, मोल्दोवा, पोलैंड और हंगरी सहित पड़ोसी देशों में शरण ले रहे हैं। यूएन ने यूक्रेन के हालात पर चिंता जताई है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी ने कहा कि लोगों ने सुरक्षा की तलाश में अपने घरों से भागना शुरू कर दिया है। पश्चिमी यूक्रेन में हंगरी के साथ लुजांका सीमा पार करने के लिए सैकड़ों कारें सीमा से 2 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक कतार में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रही हैं। लोगों ने कहा कि वे छह घंटे से अधिक समय से लाइन पार करने का इंतजार कर रहे हैं। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि दूसरे दिन की शुरुआत भी यूक्रेन में रूसी मिसाइलों की बारिश के साथ हुई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अपील की है कि इंसानियत के लिए वह इस युद्ध को रोक दें। हम यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान को उस पैमाने पर देख रहे हैं जो यूरोप ने दशकों में नहीं देखा है। मैं स्पष्ट हूं कि इस तरह के एकतरफा तरीके संयुक्त राष्ट्र चार्टर को सीधे चुनौती देते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि सभी सदस्य देशों को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को क्षेत्र की अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता या संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों को बचाए रखने के लिए किसी तरह की धमकी या बल प्रयोग से बचना चाहिए। एक देश द्वारा दूसरे देश पर बल का प्रयोग समझौतों का खंडन है, जिन्हें बनाए रखने के लिए हर देश प्रतिबद्ध है। रूस की सैन्य कार्रवाई गलत है। यह चार्टर के खिलाफ है, यह अप्रत्याशित है। मैं गुरुवार से राष्ट्रपति पुतिन से अपनी अपील दोहरा हूं। सैन्य अभियान बंद करो, सैनिकों को रूस वापस लाओ। हमें शांति चाहिए। एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को कहा कि विश्व को यूक्रेन में अपने मानवीय कार्यों को बढ़ाना चाहिए और नागरिकों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यूक्रेन में तत्काल मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के आपातकालीन कोष से 20 मिलियन डालर जारी किए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे मैच के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी टीम इंडिया

धर्मशाला (ईएमएस)। टीम इंडिया यहां शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले को भी जीतकर तीन मैचों की सीरीज पर कब्जे के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए उसकी जीत तय मानी जा रही है। भारतीय टीम के और से पहले मैच में युवा ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी की थी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आगामी विश्व कप को देखते हुए अधिक से अधिक युवा खिलाड़ियों को अवसर दे रहे हैं। ऐसे में इस मैच में भी कुछ यूवा खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिल सकता है।

युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ यदि अपनी कलाई की चोट से उबर जाते हैं तो उन्हें इस मैच में ईशान के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। ऐसे में रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। वहीं विराट कोहली की जगह पर श्रेयस अय्यर तीसरे नंबर पर उतरेंगे

इस मैच में स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ऊपरी क्रम में ही बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं क्योंकि वह तेजी से रन बनाते हैं। इस सीरीज से टीम में वापसी करने वाले संजू सैमसन को पहले मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला पर उन्हें धर्मशाला में अवसर मिल सकता है। इस मैच में अंतिम ग्यारह में उतरने पर सैमसन विकेटकीपिंग के साथ ही बेहतर बल्लेबाजी भी करना चाहेंगे। भारतीय गेंदबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वे यह सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे। युवा खिलाड़ी दीपक हुडा और वेंकटेश अय्यर पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम को पहले मैच की हार से उबरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अब तक वह हर क्षेत्र में भारतीय टीम से पीछे रही है। टीम के बल्लेबाज अब तक उम्मीद के अनुरुप रन नहीं बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में मुख्य स्पिनरों महीश तीक्ष्णा और वानिंदु हसरंगा की कमी महसूस की जा रही है। इन दोनो के बिना टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है।

पाकिस्तानी आवाम ने कहा, इकलौता परमाणु संपन्न देश हमारा मुल्क जो भींख मांग रहा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी सरकार इन दिनों थोड़ा खुश है। लेकिन पाकिस्तान की आवाम नाराज है। पाकिस्तान की सरकार खुश इसकारण हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने उस दिए जाने वाले वाले कर्ज की 1 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 176.3 अरब पाकिस्तानी रुपए) की किश्त जारी की है। वहीं, पाकिस्तान की जनता इस वजह से अपने मुल्क की इमरान खान सरकार पर लानतें भेज रही हैं। पाकिस्तान ऐसा परमाणु-संपन्न देश है, जो दशकों से दुनिया के सामने भीखा मांग रहा है। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान के वित्त मंत्री शौकत तरीन के एक ट्वीट के बाद लोगों का गुस्सा फूटा है। ट्वीट में तरीन ने लिखा, 'मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने कर्ज-कार्यक्रम के तहत छठी किश्त जारी कर दी है।

इसके बाद सरकार की आलोचनाओं का सिलसिला जारी है। एक अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा है, पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता इसतरह का परमाणु-संपन्न मुल्क होगा, जिसे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कर्ज की जरूरत पड़ रही है। जो दुनिया के सामने दशकों से भीख मांग रहा है।मदद की गुहार लगा रहा है। इस तरह एक अन्य रिपोर्ट में लिखा गया, 'यह आश्चर्य ही नहीं, तकलीफ और अफसोस की भी बात है कि कर्ज के लिए मुल्क को दूसरों का पूरी तरह गुलाम बना देने के बाद वित्त मंत्री आईएमएफ नई किश्त जारी होने पर खुशी जता रहे हैं।

पाकिस्तान लंबे समय से गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इससे उबारने के लिए आईएमएफ ने जुलाई-2019 में 6 अरब डॉलर (लगभग 1,056 अरब पाकिस्तानी रुपए) का कर्ज-कार्यक्रम मंजूर किया था।ताकि पाकिस्तान अपनी रोजमर्रा की वित्तीय जरूरतें पूरी कर सके।यह पैसा किश्तों में मिल रहा है।इसके साथ कुछ सख्त शर्तें भी हैं, जो पाकिस्तान को पूरी करनी होती हैं।बताते हैं कि इन शर्तों की वजह से पाकिस्तान में ईंधन और बिजली की कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच चुकी हैं।

भूकंप से हिला पश्चिमी इंडोनेशिया, कोई नुकसान नहीं

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के तटीय इलाकों में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई।

देश में 5जी सेवाएं जल्द शुरू करने पीएमओ ने दूरसंचार विभाग को दिए आदेश

- दूरसंचार विभाग ने ट्राई को 5जी के संबंध में अपनी सिफारिशें 2 मार्च तक देने का आग्रह किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में जल्द 5जी सेवाएं शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने दूरसंचार विभाग को आदेश दिए हैं। ?जिसके बाद अब दूरसंचार विभाग ने टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) को 5जी के संबंध में अपनी सिफारिशें 2 मार्च तक देने का आग्रह किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण को 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी प्रक्रिया के संबंध में नियमों पर अपनी सिफारिश देनी है। ट्राई सेक्रेटरी को लिखे पत्र में दूरसंचार विभाग ने कहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय देश में 15 अगस्त 2022 तक 5जी सेवाएं शुरू करना चाहता है। दूरसंचार विभाग ने कहा है कि एक निगरानी समूह के विचार-विमर्श से निकले निर्णय, कार्रवाई बिंदुओं के संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय ने दूरसंचार विभाग से 5 जी सेवाओं को 15 अगस्त 2022 तक शुरू करने और इस संबंध में ट्राई से मार्च 2022 तक सिफारिशें प्राप्त करने का आग्रह किया है। प्रक्रिया के अनुसार विभाग स्पेक्ट्रम के मूल्य इसे आवंटित करने की पद्धति, इसके ब्लॉक के आकार, भुगतान के तौर-तरीकों पर ट्राई से सिफारिशें मांगता है। ट्राई उद्योग जगत और अन्य हितधारकों से परामर्श करता है और दूरसंचार विभाग को सिफारिशें भेजता है।

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया 5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए मल्टीपल बैंड्स, कीमत, क्वांटम और अन्य शर्तों के बारे में अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने में लगा है। कुछ समय पहले ही दूरसंचार सचिव के राजारमन राजारमन ने कहा था कि दूरसंचार विभाग को ट्राई की सिफारिशें प्राप्त होने के दिन से नीलामी शुरू करने में दो महीने लगेंगे। मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार, दूरसंचार विभाग में निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई डिजिटल संचार आयोग (पूर्ववर्ती दूरसंचार आयोग) है, जो ट्राई की सिफारिशों पर फैसले लेता है। फिर इसे अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल में भेजा जाता है। राजारमन ने बताया था कि दूरसंचार विभाग ने आगामी नीलामी के लिए नीलामीकर्ता के रूप में एमएसटीसी को चुना है।

यूक्रेन पर हमले और आक्रामकता पर बाइडेन ने रूस का समर्थन करने वाले देशों को दी चेतावनी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले और आक्रामकता को लेकर पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस का समर्थन करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए आगाह किया है। बाइडेन ने यूक्रेन पर रूस के 'अनुचित आक्रमण और आक्रामकता' के खिलाफ उनका साथ ना देने वाले या रूस का समर्थन करने वाले देशों को एक कड़ा संदेश देते हुए कहा कि उन्हें कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, रूस को उन्होंने आगाह किया कि अगर वह इसी रास्ते पर आगे बढ़ता रहा, तो अमेरिका और रूस के बीच संबंध 'पूरी तरह से समाप्त' हो जाएंगे। बाइडेन ने कहा, 'अगर कोई भी राष्ट्र जो यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता का समर्थन करता है, तो उसे कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। जब इस क्षेत्र का इतिहास लिखा जाएगा...तो उसमें यूक्रेन पर आक्रमण करने के पुतिन के अनुचित फैसले के कारण रूस को कमजोर और बाकी दुनिया को मजबूत दिखाया जाएगा।' बाइडेन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी एवं साझेदार इस स्थिति से अधिक मजबूत, एकजुट और दृढ़ बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ पुतिन की आक्रामकता से रूस को व्यापक आर्थिक एवं रणनीतिक नुकसान होगा। उन्होंने आगाह किया, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुतिन अलग-थलग पड़ जाएं।'

बाइडेन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि रूस के मसले पर अमेरिका, भारत के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मतभेदों को स्वीकार किया। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत, रूस पर अमेरिका के साथ पूरी तरह से सहमत है। बाइडेन ने कहा कि इस पर अभी तक पूरी तरह सहमति नहीं बन पाई है। वहीं, बाइडेन ने कहा कि पुतिन ने अनावश्यक संघर्ष से बचने के लिए बातचीत के माध्यम से आपसी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के अमेरिका और उसके सहयोगियों के सभी प्रयासों को ठुकरा दिया। बाइडेन ने कहा, 'अगर वह इसी रास्ते पर चलते रहे, तो अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे।'

बिटक्वाइन की वैधानिकता पर शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से पूछा यह लीगल है या नहीं?

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से आभासी मुद्रा बिटक्वाइन का वैधानिकता को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि वह इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट करे कि बिटक्वाइन लीगल है या नहीं। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बिट क्वाइन पर अपना रुख साफ करने को कहा। खास बात है कि आम बजट 2022 में भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल संपत्तियों पर कर लगने की बात कही थी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों के लिए विशेष कर प्रणाली लागू की गई। किसी भी वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति के हस्तांतरण से होने वाली आय पर कर दी दर 30 प्रतिशत होगी। वित्त मंत्री ने कहा था, 'वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों में अंतरणों में असाधारण बढ़ोतरी हुई है। इन अंतरणों की परिणाम और बारम्बारता के कारण यह आवश्यक हो गया है कि इसके लिए एक विशिष्ट कर व्यवस्था का उपबंध किया जाए।' उन्होंने आगे कहा, 'तदनुसार, वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों के कराधान के लिए, मैं इस बात का उपबंध करने के लिए प्रस्ताव करती हूं कि किसी भी वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति के हस्तांतरण से हुई किसी भी आय पर 30 प्रतिशत दर से कर लिया जाएगा।'

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,274 रुपये के गिरावट के साथ ही 50,913 प्रति दस ग्राम रह गयी। वहीं चांदी की कीमत भी 2,219 रुपये नीचे आकर 64,809 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 67,028 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,913 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा जबकि चांदी की कीमत भी हल्की बढ़त के साथ 24.29 डॉलर प्रति औंस हो गई।

पुतिन इज हिटलर, नारे लगाकर मॉस्को की सड़कों पर उतरे हजारों लोग

मास्को (ईएमएस)। विश्व में इनदिनों तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि दुनिया की दूसरी ताकत रूस ने यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ दी है। रूस ने यूक्रेन का राजधानी पर सिलसिलेवार तरीके से लगातार बमबारी करके युद्ध की घोषणा की। यूक्रेन में रूसी सैनिको ने कब्जा करना शुरू कर दिया है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि अब तक 800 रूसी सैनिकों को मार दिया गया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के फैसले को लेकर पूरी दुनिया में उनकी आलोचना हो रही है। दुनिया के साथ-साथ रूस को अपने ही देश के लोगों का विरोध भी सहना पड़ रहा है। पुतिन की तुलना हिटलर से की जा रही हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा के कुछ ही देर बाद, देश भर के रूसी नागरिक उनके कार्यों की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए। मास्को के केंद्र में 1,000 से अधिक लोग ठयुद्ध नहीं चाहुए के नारे लगाते हुए इकट्ठा हुए। लोगों ने सड़कों पर पुतिन के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने युद्ध खत्म करने की मांग की। प्रदर्शनकारी स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7 बजे ऐतिहासिक गोस्टिनी ड्वोर शॉपिंग आर्केड के बाहर सेंट पीटर्सबर्ग सहित कई अन्य शहरों में भी सड़कों पर उतरे। भारी पुलिस बल की पृष्ठभूमि में कुछ लोगों ने राष्ट्रपति की कठोर निंदा की। बताया जा रहा हैं कि 54 रूसी शहरों में करीब 1,745 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से कम से कम 957 मास्को में थे।

न केवल रूस, बल्कि यूक्रेन के आक्रमण की निंदा करने के लिए गुरुवार को टोक्यो से तेल अवीव और न्यूयॉर्क तक के शहरों में सार्वजनिक चौकों और रूसी दूतावासों के बाहर प्रदर्शनकारी निकले। स्विस राजधानी बर्न में, सैकड़ों लोग यूक्रेन के झंडे पकड़े हुए और ठयूक्रेन के लिए शांति!ठ का नारा लगाते हुए एकत्र हुए। संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय के बाहर नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अंतर्राष्ट्रीय अभियान टू एबोलिश न्यूक्लियर वेपन्स द्वारा आयोजित जिनेवा में एक छोटा सा प्रदर्शन, समूह ने जो कहा वह परमाणु हथियारों का उपयोग करने के लिए पुतिन की धमकी की निंदा करता है।

आज पीएम मोदी से मदद मांग रहे यूक्रेन ने 1998 में भारत को किया था विरोध

कीव (ईएमएस)। पूर्वी यूरोप में लंबे तनाव के बाद रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुई जंग को 24 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है। रूस ने आसमान और जमीन दोनों तरफ से यूक्रेन पर हमला किया। वहीं अमेरिका सेना भेजने की बात से इनकार कर दिया है। इस बीच एक शख्स हैं, जिनके ऊपर दुनिया की निगाहें टिकी हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के स्टैंड को लेकर अमेरिका हो या रूस सभी की नजरें बनी हैं। भारत ने फिलहाल न्यूट्रल रूख अपनाकर शांति से मसले सुलझाने की बात कही है। वहीं पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर लंबी बातचीत की है। पीएम मोदी ने मामले को उन्होंने पुतिन से कहा कि रूस और नाटो समूह के बीच मतभेदों को केवल बातचीत के जरिए ही हल किया जा सकता है। लेकिन सबसे अहम बात है कि यूक्रेन एक तरफ जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति ने वोलोदिमिर जेलेंस्की कह रहे हैं, कि उन्हें रूस से लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया है। वहीं वहां भारत से रूस के साथ अच्छे और पुराने संबंधों के हवाले से शांति के लिए बातचीत करने का उनुरोध भी किया।

बता दें कि जब भारत ने परमाणु परीक्षण किया था, तब यूक्रेन उन देशों में शामिल था जिसने 1998 में भारत के परमाणु परीक्षमों का कड़ा विरोध किया था। साथ ही यूक्रेन ने 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद सुरक्षा परिषद में भारत के कदम की निंदा की थी।

गौरतलब है कि साल 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने 'ऑपरेशन शक्ति' के नाम से पाँच परमाणु परीक्षण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उस दौरान यूक्रेन 25 अन्य देशों के साथ भारत के परमाणु परीक्षणों की कड़ी निंदा कर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1172 के पक्ष में मतदान किया था। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित किए गए प्रस्ताव में मांग की गई थी भारत अपने परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाए और एनपीटी और सीटीबीटी पर हस्ताक्षर करे। इसके अलावा प्रस्ताव में भारत से परमाणु कार्यक्रमों को रोकने, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास और उत्पादन पर भी रोक लगाने को कहा गया था।इन सब में यूक्रेन ने संयुक्त राष्ट्र का साथ दिया था।

यूक्रेन संकट से एशिया में भारत को होगा सबसे अधिक नुकसानः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी के बाद अब रूस-यूक्रेन संकट के चलते वैश्विक बाजार पर खतरे के काले बादल मंडरा रहे हैं। इस भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजार पर बड़ी तेजी से देखने को मिलेगा। एक वित्तीय एवं रिसर्च कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन संकट के चलते एशिया में सबसे बड़ा असर भारतमें देखने को मिल सकता है। क्रूड ऑयल की आसमान छूती कीमतों का असर हमें सबसे अधिक प्रभावित कर सकती है। ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के अनुसार क्रूड ऑयल और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं पर काफी बुरा असर डालेंगी। बढ़ती महंगाई, कमजोर चालू खाता, बढ़ता घाटा और आर्थिक ग्रोथ के प्रभावित रहने से मुश्किल और बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि इस स्थिति में भारत, थाइलैंड और फिलीपींस को सबसे अधिक नुकसान होगा। जबकि, इंडोनेशिया को अपेक्षाकृत रूप से फायदा होगा। शुद्ध रूप से तेल आयातक होने के चलते भारत को भारत को भी काफी नुकसान होगा, क्योंकि तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

रिपोर्ट मे कहा गया ?कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी से उपभोक्ताओं और कारोबारों पर काफी बुरा प्रभाव पडेगा। रिसर्च के अनुसार भारत के क्रूड बास्केट में 10 डालर प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी वित्त वर्ष 2022 के लिए वार्षिक जीडीपी ग्रोथ के अनुमान 9.2 फीसद से 10 आधार अंक की ग्रोथ कम कर सकता है। ??रिसर्च कंपनी ने कहा कि हाल ही में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि वित्त वर्ष 2023 में मुद्रास्फीति के 4.5 फीसद रहने का अनुमान है लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव की अनुपस्थिति में आरबीआई ने आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के ऊपर जाने के जोखिम को महसूस नहीं किया। अब आरबीआई को महंगाई को काबू करने के लिए कुछ बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

फ्रांस का रूस को दो टूक जवाब, हमारे पास भी है परमाणु हथियार

कीव (ईएमएस)। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में हमला कर दिया है। इसके बाद विश्व के कई बड़े देश रूस पर तरह-तरह प्रतिबंध लगा रहे हैं। इस बीच रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई अब परमाणु धमकियों तक आ पहुंची है। इसके बाद फ्रांस ने भी दो टूक जवाब देकर कहा कि हमारे पास भी परमाणु हथियार हैं। बीते दिनों रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान कर दूसरे देशों को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास पर इसतरह के परिणाम होगा, जो उन्होंने कभी नहीं देखा गया होगा। विशेषज्ञ इस परमाणु हमले की धमकी के तौर पर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि रूसी सेना युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस पर फ्रांसिसी विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन ने इशारों-इशारों में रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा परमाणु धमकी देने पर कहा कि उन्हें यह समझने की जरूरत है, कि नाटो भी एक परमाणु गठबंधन है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पुतिन को यह समझना चाहिए कि अटलांटिक गठबंधन एक परमाणु गठबंधन है। मैं इस बारे में बस इतना ही कहूंगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार मिहैलो पोदोलियाक ने बताया कि रूसी सैनिकों के साथ भयंकर युद्ध के बाद यूक्रेन ने चेर्नोबिल परमाणु स्थल से नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी बलों के बिलकुल मूर्खतापूर्ण हमले के बाद यह कहना असंभव है, कि चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र सुरक्षित है।

बता दें कि चेर्नोबिल में अप्रैल, 1986 में दुनिया की सबसे भीषण परमाणु दुर्घटना हुई थी, जब एक परमाणु रिएक्टर में विस्फोट के बाद पूरे यूरोप में रेडियोधर्मी विकिरण फैल गया था। यह संयंत्र कीव के उत्तर में 130 किमी की दूरी पर स्थित है। जिस रिएक्टर में विस्फोट हुआ था, उसमें से विकिरण रोकने के लिए उस एक सुरक्षात्मक उपकरण से ढका गया था और पूरे संयंत्र को निष्क्रिय कर दिया गया था।

यूक्रेन फतह के बाद भी 'रूस में खूनी खेल' लंबा चलेगा, अमेरिकी विदेश मंत्री ने किया आगाह

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर वैश्विक नेता लगातार पुतिन की कड़ी निंदा कर रहे हैं। अमेरिका ने अभी यह तो स्पष्ट संकेत दिया है कि वह यूक्रेन की ओर से लड़ाई में नहीं उतर रहा है। लेकिन इसके साथ ही रूस से सबक सिखाने की दीगर तैयारियां वह पूरी कर रहा है। इसका संकेत देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने शुक्रवार, को चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'यूक्रेन जीतने के बाद भी रूस में खूनी खेल लंबा चलेगा। उसने खुद को बड़ी मुसीबत में डाल लिया है।'

रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने में अमेरिका में ताबड़तोड़ उच्चस्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है। ऐसी ही एक बैठक के बाद एंटनी ब्लिंकेन ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'युद्ध कोई दिनों या हफ्तों तक चलने वाला खेल नहीं है। यह लंबा खेल है और रूस ने जानबूझकर खुद को इस खेल में उलझाया है।' समाचारों के मुताबिक उनसे पूछा गया कि वे यह युद्ध कब तक खत्म होते हुए देखते हैं? इस पर उन्होंने कहा, 'यह यूक्रेन के लोगों पर पूरी तरह निर्भर है। क्या वे लोग अपने देश में कोई कठपुतली सरकार देखना चाहते हैं।'

जानकारों की मानें तो ब्लिंकेन के बयान से रूस की सामरिक योजना का भी संकेत मिलता है। इसके मुताबिक, बहुत संभव है कि वह अपनी सैन्य ताकत के बलबूते यूक्रेन में ऐसी सरकार स्थापित करना चाहता हो, जो उसके इशारे पर चले। यहां यह भी गौरतलब है कि यूक्रेन की वर्तमान सरकार का रुख अमेरिकी समर्थक का है। यह सरकार अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य गठबंधन उत्तर अटलांटिक सैन्य संगठन (नाटो) में यूक्रेन की सदस्यता के लिए प्रयास कर रही थी। रूस ने उसके इन्हीं प्रयासों से नाराज होकर यूक्रेन पर हमला किया है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि अमेरिका भले यूक्रेन के पक्ष में लड़ाई में अभी सीधे न उतर रहा हो, लेकिन वह रूस को आसानी से छोड़ेगा नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दुनिया के शक्तिशाली देशों के समूह जी-7 के अपने समकक्षों के साथ बैठक के बाद ट्वीट भी किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में रूस की हिस्सेदारी को हम हद दर्जे तक सीमित कर देंगे। हम उसको इस हालत में ले आएंगे कि वह अपनी सेना को बढ़ाना तो दूर, उसे आर्थिक मदद तक न दे सके। हम 21वीं सदी की उच्च-तकनीकी अर्थव्यवस्था में रूस की भागीदारी को कुंद कर देंगे।' अमेरिका ने रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने शुरू भी कर दिए हैं। खबरों की मानें तो बाइडेन अब यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि रुस आगे से डॉलर, पाउंड, यूरो आदि किसी मुद्रा में अपना कारोबार न कर सके। इसके साथ रूस की सामरिक घेराबंदी भी अमेरिका ने शुरू कर दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने घोषणा भी की है कि अमेरिका की ओर से यूक्रेन को पूरी सामरिक मदद दी जाएगी। बताया जाता है कि अमेरिका अपने अत्याधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35एस का एक बेड़ा एस्तोनिया, लिथुआनिया और रोमानिया भेज रहा है। रूस को घेरने के लिए पूर्वी यूरोप में अपाचे हेलिकॉप्टर भी अमेरिका तैनात कर रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक बाजार पर मंडराए काले बादल

-भारत की होगा सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक बाजार सबसे अधिक प्रभावित होने वाला है। इस संकट के चलते वैश्विक बाजार पर खतरे के काले बादल मंडरा रहे हैं। दुनियाभर के देश और केंद्रीय बैंक कोविड-19 महामारी के प्रकोप से धीरे-धीरे बाहर निकले हैं। अर्थव्यवस्थाओं में रिकवरी आई है और अब यूक्रेन संकट ने फिर से सभी को बड़ी टेंशन दे दी है। इस भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजार पर बड़ी तेजी से देखने को मिलेगा। जानी-मानी वित्तीय एवं रिसर्च कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन संकट के चलते एशिया में सबसे बड़ा असर भारत में देखने को मिल सकता है। क्रूड ऑयल की आसमान छूती कीमतों का असर हमें सबसे अधिक प्रभावित कर सकता है। ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 3 फीसद उछलकर 105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, क्रूड ऑयल और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं पर काफी बुरा असर डालेंगी। बढ़ती महंगाई, कमजोर चालू खाता, बढ़ता घाटा और आर्थिक ग्रोथ के प्रभावित रहने से मुश्किल और बढ़ जाएगी।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस स्थिति में भारत, थाइलैंड और फिलीपींस को सबसे अधिक नुकसान होगा। जबकि, इंडोनेशिया को अपेक्षाकृत रूप से फायदा होगा। शुद्ध रूप से तेल आयातक होने के चलते भारत को भारत को भी काफी नुकसान होगा, क्योंकि तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट मे कहा गया, 'कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी से उपभोक्ताओं और कारोबारों पर काफी बुरा प्रभाव पडेगा। हमारा अनुमान है कि तेल की कीमतों में प्रत्येक 10 फीसद उछाल के कारण जीडीपी ग्रोथ में करीब 0.20 पर्सेंटेज प्वाइंट की गिरावट आएगी। एक रिसर्च के अनुसार, भारत के क्रूड बास्केट में 10 डालर प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी वित्त वर्ष 2022 के लिए वार्षिक जीडीपी ग्रोथ के अनुमान 9.2 फीसद से 10 आधार अंक की ग्रोथ कम कर सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि क्रूड बास्केट में 10 फीसद की स्थायी बढ़त डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई में 1.2 फीसद और आधारित आधारित महंगाई में 0.3 से 0.4 फीसद की बढोत्तरी कर सकती है।

एजेंसी ने कहा कि हाल ही में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि वित्त वर्ष 2023 में मुद्रास्फीति के 4.5 फीसद रहने का अनुमान है। लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव की अनुपस्थिति में आरबीआई ने आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के ऊपर जाने के जोखिम को महसूस नहीं किया। अब आरबीआई को महंगाई को काबू करने के लिए कुछ बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

ओमिक्रॉन से कहीं ज्यादा खतरनाक है उसका 'छोटा भाई बीए-2

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। कोरोना के अब तक के सभी वेरिएंट में सबसे ज्यादा और तेजी से संक्रमण फैलाने वाला ओमिक्रॉन को माना गया था। लेकिन अब नए अध्ययनों की मानें तो ओमिक्रॉन का 'छोटा भाई बीए-2 उससे कहीं ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। इस वक्त सबसे अधिक मामले दुनियाभर में इसी वैरिएंट के आ रहे हैं। ओमिक्रॉन को बीए-1 के नाम से भी जाना जाता है। वहीं, उसके ही अगले स्वरूप को बीए-2 कहा गया है। यह बीए-2 कहां पैदा हुआ, इस बारे में दो मत हैं। एक में बताया जाता है कि यह पहली बार ऑस्ट्रेलिया में उभरा। जबकि दूसरे में कहा जाता है कि इसकी पहचान सबसे पहले भारत में हुई। हालांकि बीए-1 यानी ओमिक्रॉन के बारे में समान रूप से सभी मानते हैं कि वह पहली बार दक्षिण अफ्रीका में सामने आया। बहरहाल, अभी दुनियाभर के चिंता का विषय बीए-2 बना हुआ है, क्योंकि यह दुनिया के करीब 50 देशों के लोगों को अपने संक्रमण की चपेट में ले चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, बीए-2 इस वक्त दुनिया के हर 5 में से 1 व्यक्ति को संक्रमित कर रहा है। यानी लगभग 20ङ्ग आबादी तक यह अपनी पहुंच बना चुका है।

जानकारों ने सहजता के लिए बीए।2 को 'ओमिक्रॉन (बीए-1) के छोटे भाई की संज्ञा' दी है। इसके बारे में ब्रिटेन और डेनमार्क में हुए हालिया अध्ययन बताते हैं कि यह बीए-1 की तुलना में 30 फीसदी अधिक संक्रामक है। यानी यह ओमिक्रॉन से अधिक तेजी से फैल रहा है। इसीलिए इस पर नजर रखने की जरूरत बताई जा रही है। हालांकि बड़ी चिंता या चेतावनी जैसी बात से अभी वैज्ञानिक इनकार कर रहे हैं। कनाडा की सस्कैचवन यूनिवर्सिटी की विषाणु-विज्ञान विशेषज्ञ एंजेला रैसमुसेन ने कहा कि हां, बीए-2 का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन लोगों के अस्पताल में भर्ती होने या इससे होने वाली मौतों की दर अभी कम है। इसलिए चिंता की बात अभी नहीं लगती।

दक्षिण अफ्रीका से बीए-2 संक्रमण के शुरुआती आंकड़े आए हैं। इनके मुताबिक, वहां बीए-2 की वजह से संक्रमण की दर 27ङ्ग से 86ङ्ग तक हो चुकी है। अस्पताल में भर्ती किए जाने वाले मरीजों की तादाद 3-6 फीसदी ही है। वहां बीए-1 से फैले संक्रमण के दौर में भी अस्पताल में भर्ती होने वालों की तादाद लगभग इतनी ही (3.4ङ्ग) ही थी। डेनमार्क से भी बीए।2 के इसी तरह के आंकड़े आए हैं। हालांकि इसके साथ ही वैज्ञानिक यह भी बताते हैं कि बीए-2 की वजह से किसी भी व्यक्ति के दोबारा संक्रमित होने की पूरी संभावनाएं हैं। डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीटयूट के जानकारों के अनुसार चूंकि बीए-2 चूंकि बीए-1 की ही तरह कोरोना टीके से मिली रोग प्रतिरोधक क्षमता को चकमा देने में सक्षम है, इसलिए वह किसी को भी दोबारा संक्रमित कर सकता है।

आत्मसम्मान के साथ जीवन निर्वाह करने का सफल जरिया बने गरीब कल्याण मेले: मुख्यमंत्री

- 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन का सफल परिणाम है गरीब कल्याण मेला'
- गरीब कल्याण मेले में जरूरतमंद लाभार्थियों को मिले गुणवत्तायुक्त साधन-सामग्री

अमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गरीब कल्याण मेले गरीबों को गरीबी के अभिशाप से बाहर निकालकर आत्मसम्मान के साथ जीवन निर्वाह करने का सफल जरिया बने हैं। गरीब कल्याण मेले के 12वें चरण के दूसरे दिन शुक्रवार को मोरबी में आयोजित गरीब कल्याण मेले में उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को उनके हक का लाभ और सहायता पहुंचाने के मकसद से वर्ष 2009-10 से गरीब कल्याण मेले का यह अभिनव दृष्टिकोण अपनाया है। सरकार ने अब तक 11 चरण के लगभग 1530 गरीब कल्याण मेलों के जरिए 1 करोड़ 47 लाख लोगों को 26 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सहायता एवं लाभ वितरित किए हैं। मोरबी में आयोजित इस गरीब कल्याण मेले के अंतर्गत 1721 लाभार्थियों को 3.40 करोड़ रुपए के लाभ व सहायता प्रदान किए गए। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि गरीब कल्याण मेले में दी जाने वाली साधन-सामग्री गुणवत्तायुक्त हो। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि देश के नागरिकों को कोरोना रोधी टीके की 175 करोड़ खुराक लगाना आत्मनिर्भर भारत का श्रेष्ठ उदाहरण है। गुजरात में भी टीके की 10 करोड़ खुराक दी जा चुकी है, इसलिए ही हम तीसरी लहर का सफलतापूर्वक सामना कर सके हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के अग्रिम आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि से जलवायु परिवर्तन का अलग विभाग बनाकर सरकार ने दूरदर्शिता दिखाई है। राज्य सरकार ने कई क्षेत्रों में नई पहल करते हुए गुजरात को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर किया है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि राज्य के नागरिकों की सहभागिता राज्य के विकास में अहम कारक सिद्ध होगी और 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना साकार होगी। पटेल ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक जिले में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में नागरिकों को ऐतिहासिक विरासत से अवगत कराकर आजादी के 100वें वर्ष में भारत को सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाने की अभिलाषा व्यक्त की। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों के लिए ड्रोन के जरिए कीटनाशक व दवा का छिड़काव कर राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ऑर्गेनिक कृषि उत्पादों की ज्यादा कीमत देकर खरीद करने के संबंध में भी विचार कर रही है।

पंचायत राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने कहा कि सामूहिकता की भावना के साथ कार्यरत राज्य सरकार गरीबों के कल्याण के लिए मेले आयोजित कर रही है, जिसके दूरगामी परिणाम अगली पीढ़ी को मिलेंगे और गुजरात विकास के पथ पर अग्रसर होगा।

जिला प्रभारी मंत्री श्री देवाभाई मालम ने कहा कि सत्ता नहीं बल्कि सेवा को समर्पित राज्य सरकार के प्रयासों से हाशिये पर खड़े लोगों तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुंच पाए हैं और गरीब कल्याण मेला उसका एक अहम माध्यम साबित हुआ है।

कलक्टर जेबी पटेल ने आज आयोजित हुए गरीब कल्याण मेले का आंकड़ागत ब्यौरा दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा अन्य आमंत्रित सदस्यों का दलहन की टोकरी तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री एवं महानुभावों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद प्रार्थना गीत की प्रस्तुति दी गई।

आज के गरीब कल्याण मेले में मुख्यमंत्री के करकमलों से सहायता प्राप्त करने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने मंच पर आकर अपनी सफलता की कहानी सुनाई। कार्यक्रम की शुरुआत में विभिन्न संस्थाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पंचायत विभाग और मोरबी की विकास गाथा प्रस्तुत करने वाले लघु वृत्त चित्र का प्रसारण किया गया।

गुजरात कांग्रेस की चिंतन शिबिर शुरू, राहुल गांधी आज आएंगे देवभूमि द्वारका

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) भगवान श्री कृष्ण की नगरी देवभूमि द्वारका में आज से गुजरात प्रदेश कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर शुरू हो गई हैं। शिबिर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, विधायक, राज्यसभा सांसद शामिल होंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार यानी 26 फरवरी को चिंतन शिबिर में भाग लेंगे। गुजरात में इस वर्ष के अंत में होनेवाले विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर गुजरात कांग्रेस ने देवभूमि द्वारका में चिंतन शिबिर का आयोजन किया हैं। चिंतन शिबिर में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, विधानसभा में विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल, पूर्व प्रदेश प्रमुख भरतसिंह सोलंकी, सिद्धार्थ पटेल, अर्जुन मोढवाडिया के अलावा गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक और पूर्व विपक्ष के नेता परेश धानाणी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। 26 फरवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी चिंतन शिबिर का हिस्सा बनेंगे। राहुल गांधी चिंतन शिबिर में गुजरात कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देंगे। आज से अगले तीन दिनों तक कांग्रेस नेता संगठन को लेकर चिंतन और मनन करेंगे। शिबिर में अलग अलग मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें महिला अत्याचार, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी इत्यादि मुद्दों पर चर्चा कर रणनीति बनाई जाएगी। खासकर आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कांग्रेस के सभी विधायक चिंतन शिबिर की चर्चा में शामिल होंगे और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रोडमेत तैयार करेंगे। देवभूमि द्वारका में हो रही चिंतन शिबिर में शामिल होने के लिए कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया हैं।

राजस्थान की भांति गुजरात में पुरानी पैंशन योजना शुरू करे सरकार : डॉ. रघु शर्मा

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा ने पुरानी पैंशन योजना को लेकर बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में भी राजस्थान की तरह पुरानी पैंशन योजना शुरू की जानी चाहिए। डॉ. रघु शर्मा देवभूमि द्वारका में आज से प्रारंभ हुई चिंतन शिबिर को संबोधित कर रहे थे। भगवान द्वारकाधीश की पावन भूमि पर करीब 400 जितने कांग्रेसी चिंतन शिबिर में आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव में कम से कम 125 सीटें जीतने के लक्ष्य प्राप्त करने पर मंथन कर रहे हैं। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा ने पहले दिन शिबिर को संबोधित करते हुए कहा कि 2022 की आगामी लड़ाई में आप में से कोई एक राज्य का मुख्यमंत्री बनेगा। राहुल गांधी ने केवल एक ही बात कही थी कि गुजरात में चिंतन शिबिर आयोजित की जाए। सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने में कांग्रेस के अलावा अन्य कोई राजनीतिक दल सक्षम नहीं हैं। भाजपा केवल इवेन्ट मैनेजमेंट पार्टी हैं। कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि गुजरात में पुरानी पैंशन योजना शुरू की जानी चाहिए। राजस्थान सरकार ने जनता के हित में यह योजना शुरू की हैं क्योंकि कांग्रेस जनता की आवाज सुनती हैं। कांग्रेस की सरकार से मांग है कि वह भी गुजरात में पुरानी पैंशन योजना शुरू करें। गुजरात में पैंशन योजना शुरू हो यह कांग्रेस का मुख्य मुद्दा रहेगा। अन्य राज्यों में पैंशन योजना शुरू करने की मांग की जाएगी।

गुजरात में कोरोना के 245 नए केस, 644 लोग हुए डिस्चार्ज, 5 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों में लगातार कमी आ रही हैं। जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू समेत कई नियंत्रणों में राहत दी हैं। नए नियम आज यानी शुक्रवार से प्रभावी हो गए हैं। दूसरी ओर आज राज्यभर में कोरोना के 245 नए मामले सामने आए हैं और 644 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 1208657 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.90 प्रतिशत हो गया हैं। राज्य में एक्टिव केसों की संख्या भी लगातार घट रही हैं। राज्य में फिलहाल 2538 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 33 वेन्टीलेटर पर हैं और 2505 नागरिक स्टेबल हैं। शुक्रवार को वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा, गांधीनगर और भरुच में 1-1 समेत 5 मरीजों की मौत के साथ ही राज्य में कोरोना का मृतांक 10924 पर पहुंच गया हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 98 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। वहीं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 18, बनासकांठा में 13, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 12, वडोदरा में 11 और कच्छ में 10 मामले सामने आए। जबकि 18 जिले और 3 जिलों में कोरोना के 1 से 8 नए मरीज सामने आए हैं। वहीं बोटाद, छोटाउदेपुर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, महीसागर, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पोरबंदर, सुरेन्द्रनगर समेत 12 जिले और जामनगर कॉर्पोरेशन व जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। इस दौरान राज्य में 103321 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 11 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 32 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2290 को कोरोना का पहला और 6389 को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 आयु वर्ग के 8898 को पहला और 34156 को लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 3756 किशोरों को कोविड की पहली और 35983 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 11806 को प्रीकॉशन डोज दिए गए। राज्य में अब तक 102832985 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं।

मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस 2 मार्च, 2022 से संशोधित समय से चलेगी

अहमदाबाद , यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद और गांधीनगर केपिटल स्टेशनों पर ट्रेन संख्या 12009/12010 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस के समय में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। यह संशोधन 2 मार्च, 2022 से प्रभावी होगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 2 मार्च, 2022 से ट्रेन संख्या 12009 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल शताब्दी एक्सप्रेस 12.22 बजे के बजाय 12.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी और 12.37 बजे के बजाय 12.30 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी। तदनुसार, यह ट्रेन गांधीनगर केपिटल स्टेशन पर 13.40 बजे के बजाय 13.25 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में ट्रेन संख्या 12010 गांधीनगर केपिटल-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस गांधीनगर केपिटल से 14.20 बजे के बजाय 14.05 बजे प्रस्थान करेगी। तदनुसार, यह ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन पर 15.00 बजे के बजाय 14.50 बजे पहुँचेगी और 15.05 बजे अहमदाबाद से प्रस्थाबन करेगी। यात्री कृपया ध्यान दें कि मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन के प्रस्थान और आगमन के समय में कोई बदलाव नहीं होगा।

26 फ़रवरी 2022 को खोडियार-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 16 बंद रहेगा

अहमदाबाद , अहमदाबाद मण्डल पर खोडियार-गांधीनगर रेलखंड के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 16 किमी (524/4-5) मरम्मत कार्य के लिए 26 फ़रवरी 2022 को प्रात: 08:00 बजे से 20:00 बजे तक बंद रहेगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान खोडियार-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रोसिंग नं 15 किमी (523/11-12) का इस्तेमाल कर सकते है।

संपूर्ण गुजरात हुआ रात्रि कर्फ्यू से मुक्त, अहमदाबाद और वडोदरा से भी हटाया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में लगातार कम हो रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने अहमदाबाद और वडोदरा को भी रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति दे दी हैं। अहमदाबाद और वडोदरा से कर्फ्यू हटने के साथ ही संपूर्ण गुजरात को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति मिल गई हैं। गुजरात सरकार की नई गाइडलाइन आज यानी 25 फरवरी की रात से प्रभावी होगी और 1 मार्च तक लागू रहेगी। रात्रि कर्फ्यू की मुक्ति के साथ ही राज्य सरकार ने शादी समेत सामाजिक कार्यक्रमों में 75 प्रतिशत क्षमता के साथ कार्यक्रम आयोजित करने को मंजूरी दी हैं। हांलाकि बंद जगहों पर 50 प्रतिशत क्षमता के साथ ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। अन्य सभी पाबंदियां सरकार ने हटा ली हैं। विवाह समारोह के लिए अब DIJITAL GUJARAT PORTAL पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। नई गाइडलाइन के मुताबिक अहमदाबाद और वडोदरा को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति मिल गई हैं। सभी प्रकार के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और खेल-कूद समेत अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम, ऑडिटोरियम, एसेम्बली होल और मनोरंजन स्थलों में 75 प्रतिशत लोग जमा हो सकेंगे। जबकि बंद स्थलों पर 50 प्रतिशत लोगों की मंजूरी दी गई हैं। सार्वजनिक परिवहन सेवा का 100 प्रतिशत यात्री क्षमता के साथ संचालन की मंजूरी दी गई हैं। जिम, बाग-बगीचे अब पूर्ण क्षमता के साथ खुले रहेंगे। आर्थिक गतिविधियों से जुड़े सभी लोगों के लिए वैक्सीन के दो डोज लेना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार के नए नियम 25 फरवरी 2022 से 1 मार्च 2022 तक प्रभावी रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने दो महानगरपालिका के इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट कार्यों के लिए कुल 739 करोड़ रूपए मंजूर किए

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के दो महानगर अहमदाबाद और जामनगर में कुल 738.82 करोड़ रूपए के इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट के कार्यों के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 के लिए उपरोक्त दोनों महानगरपालिकाओं के विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट के कार्य के लिए शहरी विकास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव पेश किए गए थे। तद्नुसार, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगरपालिका क्षेत्र में फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट के 217 कार्यों के लिए 567.76 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इन 217 कार्यों में ड्रेनेज, स्ट्रोम वाटर ड्रेनेज, एस.टी.पी., सुएेज नेटवर्क, अलग-अलग 7 जोन में जल वितरण स्टेशन, पानी की लाईन, बोर के कार्य, रोड़ रिसरफेसिंग, थर्मोप्लास्टिक पेंट लगाने आदि कार्य शामिल है। इसके अलावा, भूपेंद्र पटेल ने सामाजिक ढांचागत विकास के कार्यों के अंतर्गत अस्पताल भवन, चिकित्सा उपकरणों की खरीदी, सामुदायिक हॉल, कॉविड-19 से संबंधित आई.सी.यु. बेड, ऑक्सीजन जनरेशन प्लान्ट, अर्बन हेल्थ सेन्टर जैसे 19 कार्यों के लिए 162.84 करोड़ रुपए अहमदाबाद महानगरपालिका को आवंटित किए हैं। उन्होंने अर्बन मोबिलीटी (शहरी गतिशीलता) के कार्यों के अंतर्गत दो कार्यों के लिए 5.50 करोड़ रुपए का आवंटन स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना में से किया है। इस तरह मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद महानगरपालिका को कुल मिलाकर 238 कार्यों के लिए 736.10 करोड़ रुपए के आवंटन की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जामनगर महानगरपालिका क्षेत्र में भी इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत वॉर्ड नं. 15 ग्रीन सिटी इलाके में स्ट्रोम वोटर ड्रेनेज के कार्य करने के 2.72 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से मंजूर किए गए इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट के इन विभिन्न कार्यों के परिणामस्वरूप दोनों महानगरों में नागरिकों की सुविधा में बढ़ोतरी होगी।

महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में तीन ट्रेनों में अस्थायी तौर पर जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में यात्रियों की सुविधा के लिए 3 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर एक अतिरिक्त जनरल कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार ट्रेन नं 09521/09522 राजकोट-सोमनाथ-राजकोट, ट्रेन नं 09514/09513 राजकोट-वेरावल-राजकोट तथा ट्रेन नं 19207/19208 पोरबंदर-सोमनाथ-पोरबंदर ट्रेनों में 26 फरवरी से लेकर 3 मार्च, 2022 तक एक अतिरिक्त जनरल कोच लगाया जाएगा। रेल प्रशासन द्वारा हाल ही में ट्रेन नं 19119/19120 अहमदाबाद-सोमनाथ-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में भी स्थायी तौर पर दो अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े जा चुके हैं जो कि यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

अब कबाड़ से करो कमाई!

ओनली एट बिग बाजार 'द ग्रेट एक्सचेंज' 19 फरवरी से 20 मार्च 2022

मुंबई, 25 फरवरी, 2022: बिग बाजार, भारत की पसंदीदा हाइपरमार्केट श्रृंखला प्रतिष्ठित ठद ग्रेट एक्सचेंजठ के साथ वापस आ गई है। बिग बाजार का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि वह अपने ग्राहकों को बेहतर जीवन शैली प्रदान करे। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, जहां ग्राहक घर पर अधिक समय बिता रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादों में भारी गिरावट आ रही है।

इस अभियान के साथ, बिग बाजार उन्हें अपने घरेलू, फैशन और जीवन शैली को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त छूट पर उत्पादों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करेगा। अपने तरह के इस अनूठे अभियान में ग्राहकों को नए उत्पाद सबसे कम दामों पर खरीदने और अपने पुराने कबाड़ को ऊंचे दामों पर बेचने का मौका मिलेगा। बिग बाजार ग्राहकों से पुराना कबाड़ खरीदकर उन्हें एक्सचेंज वाउचर जारी करेगा। ग्राहक इन एक्सचेंज वाउचर का इस्तेमाल नए उत्पादों पर अतिरिक्त छूट पाने के लिए कर सकते हैं। कुछ पुराने कबाड़ विनिमय दरों में पुराने समाचार पत्र 50 रुपये प्रति किलोग्राम, पुराने कपड़े 100 रुपये प्रति किलोग्राम, पुराने टीवी, मोबाइल फोन, रेफ्रिजरेटर, एसी 5000 रुपये प्रति पीस पर, छोटे उपकरण 1000 रुपये प्रति पीस और अधिक पर हैं। एक्सचेंज वाउचर के साथ ग्राहकों को फैशन, घरेलू जरूरतों, घरेलू फैशन और सामान पर 20% की अतिरिक्त छूट और इलेक्ट्रॉनिक्स पर 10% की छूट मिलेगी।

द ग्रेट एक्सचेंज अभियान के बारे में बोलते हुए, श्री पवन सारदा, सीएमओ - डिजिटल, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स, फ्यूचर ग्रुप ने कहा कि, ठद ग्रेट एक्सचेंज बिग बाजार के सबसे पसंदीदा और याद किए जाने वाले अभियानों में से एक रहा है।

दो वर्ष बाद जूनागढ़ में महाशिवरात्रि मेला का शुभारंभ, श्रद्धालुओं के लिए बसें बढ़ाई गई

जूनागढ़ (ईएमएस) दो साल बाद जूनागढ की भवनाथ तलहटी में महाशिवरात्रि के मेला का आज से प्रारंभ हो गया। आज सुबह भवनाथ मंदिर में ध्वज पूजन और महादेव की पूजा अर्चना के साथ भवनाथ महादेव को ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर जय भवनाथ, जय गिरनारी और हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण जूनागढ़ के भवनाथ तलहटी में दो साल महाशिवरात्रि पर मेला पर रोक रही। गुजरात में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आने के बाद राज्य सरकार ने इस वर्ष महाशिवरात्रि के मेला को मंजूरी प्रदान कर दी हैं। राज्य सरकार से मेला को मंजूरी मिलने से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। भवनाथ की तलहटी में आज विधिवत पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि के मेला का शुभारंभ हो गया। भवनाथ तलहटी स्थित विभिन्न अखाड़ों, भारती आश्रम, इंद्रभारती बापू आश्रम और विभिन्न मंदिरों पर धर्म की ध्वजा चढ़ाई गई। भजन, भोजन और भक्ति के त्रिवेणी संगम रूपी महाशिवरात्रि के मेला में जूनागढ़ प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 26, 27 और 28 फरवरी की शाम 6.30 बजे से नामी-अनामी कलाकार भजन, लोक साहित्य और हास्य रस श्रद्धालुओं के समक्ष परोसेंगे। महाशिवरात्रि के मेला पर भवनाथ क्षेत्र के आश्रम, मंदिर, मठ, विभिन्न समाज की धर्मशालाएं रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाने लगी हैं। महाशिवरात्रि मेला पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावडा लगता हैं। दो साल बाद शुरू हुए महाशिवरात्रि मेला पर इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के संभावनाओं को देखते हुए प्रशासन की ओर से पर्याप्त व्यवस्था की गई हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए 13 समितियों का गठन किया गया हैं। जिसमें मुख्य संकलन समिति, मेला स्थल आयोजन समिति, सार्वजनिक सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण समिति, इलेक्ट्रिक लाइट और साउंड समिति, आमंत्रण-स्वागत एवं प्रोटोकोल समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, जल आपूर्ति समिति, सफाई एवं ड्रेनेज समिति, स्वास्थ्य एवं आकस्मिक उपचार समिति, सूचना एवं प्रचार प्रसार समिति, प्रकाशन समिति, आवश्यक चीज वस्तु सुविधा समिति, डिजास्ट्र मैनेजमेंट समिति का गठन किया गया हैं। प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए बसों की विशेष व्यवस्था की हैं। जूनागढ़ बस स्टेन्ड से भवनाथ तलहटी तक 50 मिनी बसें लगाई गई हैं। जिसमें यात्री केवल 20 रुपए किराया देकर जूनागढ़ बस स्टेन्ड से भवनाथ तलहटी पहुंच सकेंगे। इसके अलावा राजकोट, मोरबी, जामनगर, द्वारका, खंभालिया, जाम जोधपुर, पोरबंदर, सोमनाथ, ऊना, महुवा और भावनगर इत्यादि शहरों से जूनागढ़ तक 300 जितनी बसें श्रद्धालुओं के लिए चलाई जाएंगी। महाशिवरात्रि मेला में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। मेला में डीवायएसपी, पीआई, पीएसआई, होमगार्ड, जीआरडी जवान समेत कुल 2800 जितने पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

यूक्रेन में फंसे गुजरात के 2500 छात्र, शिक्षा मंत्री जीतू वाघानी ने दी जानकारी

अहमदाबाद (ईएमएस)। रूस के सैन्य अभियान के बीच गुजरात के करीब 2,500 छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। शिक्षा मंत्री जीतू वाघानी ने इसकी जानकारी दी। जीतू वाघानी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल यूक्रेन में फंसे हुए राज्य के छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के लगातार संपर्क में हैं। विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर निष्क्रिय होने और छात्रों तथा अन्य भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकालने में देरी करने का आरोप लगाया। हालांकि सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा है कि केंद्र सरकार गुजरात के छात्रों सहित अन्य भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

घर पर वापस आने का इनकार करने पर पूर्व पति नाराज हो गया

कागजात लेने ससुराल में आई महिला पर पूर्व पति ने एसिड फेंका

अहमदाबाद, २५ फरवरी। निजी न्यूज चैनल में काम करती महिला पूर्व पति ने एसिड फेंकने की घटना सामने आई है। आणंद की महिला अपनी दस्तावेज लेने के लिए अहमदाबाद के दरियापुरा में अपने ससुराल में आई थी, जहां पूर्व पति ने झगड़ा करके महिला पर एसिड जैसा प्रवाही फेंकने का प्रयास किया था। पूरे मामले में आणंद की महिला ने अपने पूर्व पति के खिलाफ दरियापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने अपराध दर्ज करके फरार पूर्व पति की खोजबीन शुरू कर दी है। दरियापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार आणंद में रहती ३१ वर्षीय कल्पना (नाम बदला है) ने १३ वर्ष पहले दरियापुर में रहते कमलेश साल ने शादी की थी। कल्पना की छोटी बहन के शादी भी अपने देवर के साथ की थी।

वैवाहिक जीवन के दौरान कल्पना ने एक बेटी और बेटे को जन्म दिया था। इस दौरान ४ वर्ष में पहले कल्पना ने अपने पति के साथ मतभेद होने पर उसने तलाक लिया था। बाद में कल्पना आणंद में इसके दो बच्चों के साथ रहकर एक निजी न्यूज चैनल में कॉम्प्युटर ऑपरेटर के तौर पर नौकरी करती थी। तलाक लेने के बाद कल्पना का सामान और जरूरी दस्तावेज अपने ससुराल में रह जाने की वजह से १३ फरवरी को वह कल्पना और इसकी मां दरियापुर में ससुराल में आई थी। तब कमलेश ने कल्पना की मां को कहा कि, आप नीचे जाओ मुझे कल्पना के साथ अकेले में बात करना है। जिसकी वजह से कल्पना की मां नीचे चली गई थी। तब कमलेश ने कल्पना को पूछा कि आपको वापस आना है कि नहीं तब कल्पना ने मना कर दिया था। इस दौरान कमलेश नाराज हो गया और इसकी बाल खींचकर एक बोतल से एसिड जैसा प्रवाही इसके मुंह पर छिड़काव पर करने जा रहा था। जिसकी वजह से कल्पना ने प्रतिकार करने पर एसिड के छींटे इसकी आंख में पड़े थे। इस दौरान कल्पना ने शोर मचाने पर आसपास के लोग भागकर आ गये।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95